राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

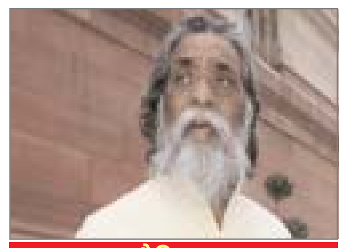

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, सोमवार, 27 अक्टूबर 2025
वर्ष 14, अंक 193, पृष्ठ 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

अपना इलाज प्रशिक्षित डॉक्टर के द्वारा ही करायें:-मुख्य चिकित्सा अधिकारी सुशील कुमार..03

फिर एक बार एक बुजुर्ग का सहारा बने प्रतिष्ठित समाज सेवक एस के चौबे..04

स्वास्थ्य संस्थानों की प्राथमिकता सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वहन होनी चाहिए: मुर्मू

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गाजियाबाद- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को कहा कि सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वहन करना स्वास्थ्य संस्थानों की प्राथमिकता होनी चाहिए। गाजियाबाद के इंदिरापुरम में स्थित एक निजी अस्पताल का उद्घाटन करने के बाद आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, "मैं मानती हूं कि स्वास्थ्य उत्तरदायित्व के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वहन करना स्वास्थ्य संस्थानों की प्राथमिकता होनी चाहिए।" उन्होंने 'यशोदा मेडिसिटी' अस्पताल के आयोजकों की सराहना करते हुए कहा, "स्वास्थ्य सेवा के जरिये आप लोग देश सेवा कर रहे हैं, इसके लिए आप सबकी सराहना करती हूं।

स्वस्थ भारत और विकसित भारत के क्षेत्र में अहम योगदान

यशोदा अस्पताल ने राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को अपनाया है।" मुर्मू ने कहा, "मुझे बताया गया कि कोविड महामारी के दौरान यशोदा अस्पताल द्वारा बड़ी संख्या में लोगों का उपचार किया गया। राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन अभियान में बड़ी संख्या में रोगियों की देखभाल की जाती है। यह संस्था जनजाति आबादी वाले क्षेत्रों में होने वाली समस्या के समाधान के बारे में सोचती है।" राष्ट्रपति ने कहा, "मुझे प्रसन्नता है कि इस संस्थान द्वारा समाज सेवा और राष्ट्र सेवा के आदर्शों को प्राथमिकता दी जाती है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य और चिकित्सा से जुड़े आधारभूत ढांचे का निरंतर विस्तार किया जा रहा है। यह स्वस्थ भारत और विकसित भारत के क्षेत्र में अहम योगदान है।

निजी क्षेत्र की स्वास्थ्य संस्थाएं इस क्षेत्र में अमूल्य योगदान दे सकती हैं

मुर्मू ने कहा, "देश में स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में यह महत्वपूर्ण योगदान है और यह प्रयास होना चाहिए के स्वास्थ्य व चिकित्सा से कोई देशवासी वंचित ना रहे। निजी क्षेत्र की स्वास्थ्य संस्थाएं इस क्षेत्र में अमूल्य योगदान दे सकती हैं।" संस्था के प्रबंध निदेशक डॉक्टर पीएन अरोड़ा द्वारा अपनी मां के नाम पर 'यशोदा मेडिसिटी 'अस्पताल' खोलने के कदम की मुर्मू ने सराहना की। उन्होंने उम्मीद जताई कि स्वदेशी की भावना के साथ चिकित्सा अनुसंधान पर विशेष बल देकर 'यशोदा मेडिसिटी 'अस्पताल द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं के लिए प्रभावी प्रयास

किये जाएंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि इस संस्था में कैंसर उपचार की आधुनिकतम सुविधाएं मिलेंगी।

एक छत के नीचे समग्र उपचार की व्यवस्था मिला

राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें पहली बार एक छत के नीचे समग्र उपचार की व्यवस्था देखने का मौका मिला। समारोह को उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने भी संबोधित किया। 'यशोदा मेडिसिटी' अस्पताल के उद्घाटन के मौके पर राष्ट्रपति के साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल भी मौजूद रहीं।

मरीज-केंद्रित देखभाल और स्वास्थ्य जागरूकता का भी प्रतीक

'यशोदा मेडिसिटी' के चेयरमैन डॉ. पी.एन. अरोड़ा ने इस मौके पर अतिथियों का स्वागत किया। इसके पहले डॉ. अरोड़ा ने पत्रकारों को बताया था कि यशोदा मेडिसिटी अत्याधुनिक तकनीक, अनुभवी चिकित्सकों और प्रशिक्षित स्टाफ से सुसज्जित है। अरोड़ा ने बताया था कि यह न केवल आधुनिक चिकित्सा सेवाओं का केंद्र बनेगा, बल्कि मरीज-केंद्रित देखभाल और स्वास्थ्य जागरूकता का भी प्रतीक होगा।

स्वास्थ्य शिक्षा को बढ़ावा देना उद्देश्य

उन्होंने कहा कि संस्था का उद्देश्य केवल बीमारियों का उपचार करना नहीं, बल्कि समाज में स्वास्थ्य शिक्षा को बढ़ावा देना भी है। इसके पहले डॉक्टर पीएन अरोड़ा ने कहा कि उनकी मां यशोदा देवी का निधन 1986 में कैंसर रोग से हो गया था और तभी उन्होंने मरीजों की सेवा का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि इस संस्था को विश्वस्तरीय स्वास्थ्य केन्द्र बनाने में सबका सहयोग रहा है। डॉक्टर अरोड़ा ने मुर्मू को शाल, शंख और स्मृति चिह्न भेंट करके उनका अभिनंदन किया। अरोड़ा ने मुख्यमंत्री, रक्षा मंत्री समेत अन्य अतिथियों को भी शॉल, शंख और स्मृति चिह्न भेंट किये।

हरदोई के मेले में ईरानी पहलवान ने पंजाबी पहलवान को दी पटखनी, जीत लिया सबका दिल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हरदोई- पहलवानों की ये जोर अजमाइश दंगल की ये तस्वीर, यूपी के हरदोई की है। जहां संडीला नगर में आयोजित झाड़ी शाह मेले में इस बार कुश्ती प्रेमियों के लिए एक शानदार दंगल का आयोजन किया गया मेले में दूर-दूर से लोग इकट्ठा हुए और अखाड़े में होने वाले मुकाबलों का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे,,,आपको बता दें कि इस दंगल में देश-विदेश से पहलवान अपना अपना दांव पेंच दिखाने पहुंचे थे...जिसमें सबसे रोचक मुकाबला पंजाब के पहलवान बलवंत और ईरान के इरफान के बीच देखने को मिली। मुकाबला शुरू होते ही दोनों पहलवानों ने

अपने जबरदस्त दांव-पेच दिखाने शुरू कर दिए पहले काफी समय तक कोई जीत दर्ज नहीं हो पाई और अखाड़ा दर्शकों की चीख-चिल्लाहट से गूंजता रहा हर मुकाबले के साथ भीड़ का उत्साह और बढ़ता गया दर्शक हर मूव पर तालियों की गड़गड़ाहट से माहौल को और रोमांचक बना रहे थे आखिरकार, निर्णायक पल आया जब इरफान ने अपने अद्भुत कौशल का परिचय देते हुए धोबी पछाड़ मारा और बलवंत को पटखनी दी शानदार जीत दर्ज करते हुए ईरान के पहलवान ने सभी दर्शकों का दिल जीत लिया। आपको बता दें कि इस दंगल में कई सारे पहलवानों ने अपना अपना दांव पेंच दिखाया कई राज्यों से आए पहलवानों ने अखाड़े में अपने अपने दांव पेच से दंगल का रोमांच बढ़ाया इस दौरान अखाड़े में कदीर पहलवान ने रेफरी की भूमिका निभाई और मुकाबलों को निष्पक्ष रूप से संचालित किया दंगल के दौरान हजारों की भीड़ उत्साह और उमंग से झूम रहे थे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक हर कोई पहलवानों के हर दांव-पेच को बड़े ध्यान से देख रहा था ये दंगल न सिर्फ एक खेल का आयोजन था, बल्कि लोगों के लिए एक मनोरंजक और यादगार अनुभव भी बन गया।

सतारा केस में घूम गई जांच, गिरफ्तार टेकी ने बताई ऐसी बात, लेडी डॉक्टर पर ही उठने लगे सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महाराष्ट्र के सतारा जिले में 28 वर्षीय महिला डॉक्टर की आत्महत्या और कथित रेप मामले ने नया मोड़ ले लिया है. पुलिस ने शनिवार को इस मामले में एक इंजीनियर और एक पुलिस सब-इंस्पेक्टर को गिरफ्तार किया है. हालांकि अब इस केस की जांच की दिशा बदलती दिख रही है. गिरफ्तार इंजीनियर ने पुलिस को जो बयान दिया है, उससे मामले में नए सवाल खड़े हो गए हैं और अब शक का दायरा खुद उस डॉक्टर तक पहुंच गया है, जिसने आत्महत्या की थी.

यह मामला फलटण उपजिला अस्पताल में तैनात एक महिला डॉक्टर की मौत से जुड़ा है. डॉक्टर ने आत्महत्या से पहले अपनी हथेली पर दो नाम लिखे थे एक पुलिस सब-इंस्पेक्टर और दूसरा उसके मकान मालिक का बेटा, जो पेशे से सॉफ्टवेयर इंजीनियर है. इसी आधार पर पुलिस ने दोनों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 64 (बलात्कार) और 108 (आत्महत्या के लिए उकसाने) के तहत मामला दर्ज किया.

'डॉक्टर ही कर रही थी परेशान'

गिरफ्तार टेकी के भाई और बहन ने बताया कि मीडिया में जो खबरें चल रही हैं कि उसे पुणे के फार्महाउस से पकड़ा गया,

वो गलत हैं. टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, आरोपी टेकी के भाई ने कहा, 'वह तो फलटण स्थित हमारे घर से खुद सरेंडर हुआ था. हमने ही पुलिस को बुलाया था.' परिवार का कहना है कि लेडी डॉक्टर पिछले एक साल से उनके घर में किराए पर रहती थीं और हर महीने 4,000 रुपये किराया देती थीं. भाई ने बताया, 'वह लेडी डॉक्टर लगातार मेरे भाई को फोन करती थीं और परेशान कर रही थीं. हमारे पास सारे कॉल रिकॉर्ड्स और सोशल मीडिया चैट्स हैं, जो हमने पुलिस को दिए हैं.'

डॉक्टर का प्रपोजल टेकी ने ठुकराया

टेकी की बहन के अनुसार, 'पिछले महीने उसका भाई डेंगू से बीमार था. डॉक्टर ने ही उसका इलाज किया और दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई. करीब 15 दिन पहले डॉक्टर ने भाई को शादी का प्रस्ताव दिया, लेकिन उसने मना कर दिया. दीवाली के समय डॉक्टर कुछ तनाव में थीं, लेकिन हमें लगा काम का दबाव होगा.'

पुलिस को मिले चैट और कॉल रिकॉर्ड

पुलिस के मुताबिक, टेकी ने दावा किया है कि डॉक्टर उस पर शादी और शारीरिक संबंध बनाए रखने का दबाव डाल रही थी. जांच में अब तक कई कॉल रिकॉर्डिंग्स और चैट्स मिले हैं जिनमें डॉक्टर तनाव, दबाव और भावनात्मक उलझन की बात करती दिख रही हैं. एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, 'डॉक्टर की मौत के बाद जो नोट मिला, उसमें दो नाम लिखे थे, लेकिन अब तकनीकी सबूतों की जांच से साफ हो रहा है कि मामला एकतरफा भावनात्मक संबंध का भी हो सकता है.' सतारा एसपी तुषार दोशी ने बताया कि 'टेकी को चार दिन की पुलिस कस्टडी में भेजा गया है. सब-इंस्पेक्टर ने देर रात फलटण ग्रामीण पुलिस में आत्मसमर्पण किया. डॉक्टर की शिकायत पहले दर्ज नहीं थी, इसलिए तकनीकी सबूतों और व्हाट्सएप चैट की जांच से ही सच्चाई सामने आएगी.' दोशी ने कहा, 'एक महिला ने आत्महत्या की है, इसलिए हम हर कोण से जांच कर रहे हैं. संभव है कि उनके आरोपों में कुछ सच्चाई हो, लेकिन यह भी पता लगाया जा रहा है कि क्या इसमें ब्लैकमेल या भावनात्मक दबाव जैसी कोई बात शामिल थी।'

महाराष्ट्र- 1 नवंबर को भ्रष्ट के खिलाफ विपक्ष का हल्ला बोल, मार्च से पहले शरद पवार से मिले संजय राउत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महाराष्ट्र में विपक्षी पार्टियों ने चुनाव आयोग की अनियमितताओं के खिलाफ 1 नवंबर को पूरे प्रदेश में मार्च निकालने का का फैसला किया है. मार्च से पहले रविवार (26 अक्टूबर) को शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद पवार) के अध्यक्ष शरद पवार से उनके आवास पर मुलाकात की. बताया जा रहा है कि इस दौरान दोनों नेताओं के बीच आगामी मार्च को लेकर चर्चा की गई.

इससे पहले पत्रकारों से बात करते हुए संजय राउत ने कहा कि उन्होंने 1 नवंबर के विरोध प्रदर्शन के बारे में महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल, महाराष्ट्र के एआईसीसी प्रभारी रमेश चेन्निथला और मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़ से भी बात की है. ताकि मार्च को सफल बनाया जा सके.

मतदाता सूची में अनियमितताओं के विरोध में मार्च

शिवसेना (यूबीटी), महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना, एनसीपी (सपा) और अन्य विपक्षी दल मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं के विरोध में मार्च निकालेंगे. खास बात ये है कि विपक्ष के इस मार्च में उद्धव ठाकरे और शरद पवार के साथ MNS प्रमुख राज ठाकरे भी साथ नजर आएंगे. दरअसल महाराष्ट्र में वोटर लिस्ट में धांधली और चुनाव आयोग को लेकर विपक्षी दल लगातार सवाल खड़े कर रहे हैं. विपक्ष चुनाव आयोग और बीजेपी के बीच सांठगांठ का आरोप लगा रहा है. जिसके चलते विपक्षी पार्टियों ने चुनाव आयोग की अनियमितताओं के खिलाफ 1 नवंबर को पूरे प्रदेश में बड़ा आंदोलन करने का फैसला किया है.

'सही वोटरों को उनका हक दिलाने के लिए सत्य की लड़ाई'

बीते शनिवार को ही आंदोलन की तैयारियों को लेकर म्हस प्रमुख राज ठाकरे अपने शिवतीर्थ आवास पर पार्टी के शीर्ष नेताओं और पदाधिकारियों की बैठक बुलाई थी. इस दौरान राज ठाकरे ने कहा कि यह लड़ाई महाराष्ट्र के फर्जी वोटरों का पर्दाफाश करने के लिए आयोजित की गई है. उन्होंने कहा कि वोटर लिस्ट में गड़बड़ी की आवाज मुंबई की सड़कों से दिल्ली तक पहुंचनी चाहिए. उन्होंने कहा कि यह सही वोटरों को उनका हक दिलाने के लिए सत्य की लड़ाई है. इस मार्च में दोनों ठाकरे भाई उद्धव और राज एक साथ नजर आएंगे. बताया जा रहा है कि यह रैली हिन्दू जिमखाना मरीन लाइन्स से दोपहर एक बजे शुरू होकर आजाद मैदान में समाप्त होगा.

संक्षिप्त ख़बरें

UP- विवेचना के लिए जा रहे पुलिस उपनिरीक्षक की सड़क हादसे में मौत

प्रतापगढ़- उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले के थाना अंतू क्षेत्र में रविवार को एक अज्ञात डंपर की टक्कर से बाइक सवार पुलिस उपनिरीक्षक (दरोगा) की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। नगर के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) प्रशांत राज ने रविवार को बताया कि चित्रकूट जिले के मूल निवासी पुलिस उपनिरीक्षक महानंद तिवारी (55) महिला थाने में तैनात थे। उन्होंने कहा कि उपनिरीक्षक महानंद तिवारी आज विवेचना के काम से थाना अंतू जा रहे थे और इसी थाने अंतर्गत चिलबिला-अमेठी राजमार्ग पर लोहँगपुर गांव के निकट एक अज्ञात डंपर ने उनकी मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी और फरार हो गया। सीओ राज ने बताया कि इस टक्कर से दरोगा की मौके पर मौत हो गई। उन्होंने बताया कि सूचना पर घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मृतक के परिजनों को सूचित किया। उन्होंने कहा कि पुलिस घटना के संबंध में विधिक कार्यवाही कर रही है।

धीरज दुबे संविदा कर्मचारी संघ के अध्यक्ष निर्वाचित, जताई गई खुशी

लालगंज, प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश बिजली कर्मचारी संघ के तहत संविदा कर्मचारी संघ के हुए चुनाव में धीरज दुबे निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए। वहीं कर्मचारियों ने आम सहमति से रीतेश तिवारी उपाध्यक्ष तथा अभिषेक तिवारी को संघ का मंत्री चुना है। एसडीओ विद्युत कार्यालय में भी कर्मचारियों की बैठक में पदाधिकारियों के निर्विरोध निर्वाचन से खुशी का माहौल देखा गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष धीरज दुबे ने कर्मचारियों को भरोसा दिलाया कि वह संगठन की मजबूती के साथ कर्मचारी हितों को लेकर संघर्ष को तेवर प्रदान करेंगें। निर्वाचित पदाधिकारियों को कर्मचारियों ने माल्यार्पण कर सम्मानित भी किया। इस मौके पर नागेश्वर दुबे विपिन दुबे, संतोष शुक्ला, लव तिवारी, अहमद अली, सुनील कोरी, रामेन्द्र मिश्रा, तीर्थराज आदि रहे। एसडीओ विद्युत आशुतोष कुमार ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभ कामनाएं दी।

उत्तराखंड के चार धाम तीर्थ स्थलों पर पर्यटकों का बढ़ता दबाव, पर्यावरण और सुरक्षा के लिए चुनौती है- अध्ययन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- उत्तराखंड के चार धामों - केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री में दर्शनार्थियों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन ये स्थान केवल एक निश्चित सीमा तक ही पर्यटकों के लिए सुरक्षित माने जा सकते हैं. साइंटिफिक रिपोर्ट्स पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धामों में प्रतिदिन अधिकतम 15,778, 13,111, 8,178 और 6,160 पर्यटक ही आ सकते हैं, बशर्ते सरकार उचित अपशिष्ट प्रबंधन, वाहनों की पहुंच सीमित करने आदि जैसे स्थायी उपाय करे. इसमें यह भी सिफारिश की गई है कि सरकार चार धाम में मौजूदा पर्यटन स्थलों पर दबाव कम करने के लिए आस-पास के स्थलों को विकसित करने सहित कई कदम उठाए.

चार धाम पर बढ़ता दबाव

चार धाम हिंदू तीर्थस्थल हैं और ये उत्तराखंड में हिमालय के ग्लेशियरों के तलहटी में ऊंचे स्थानों पर स्थित हैं. ये हर साल लाखों तीर्थयात्रियों को आकर्षित करते हैं. सरकारी आंकड़ों के अनुसार, साल 2019 में चार धाम में अनुमानित 34,77,957 तीर्थयात्री आए (हालांकि 2021 में कोविड-19 महामारी के कारण यह संख्या कम हो गई). पिछले कुछ वर्षों में पर्यटकों की आमद में हुई इस वृद्धि को ध्यान में रखते हुए उत्तराखंड में कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की भी योजना बनाई गई है. जैसे कि विवादास्पद चार धाम सड़क परियोजना. इस परियोजना का उद्देश्य नई सड़कें बनाकर और मौजूदा राजमार्गों को चौड़ा करके राज्य के सभी चार धामों तक संपर्क बढ़ाना है. हालांकि, पर्यावरणविदों और शोधकर्ताओं ने इन क्षेत्रों की नाजुक पारिस्थितिकी और भूभाग पर इस परियोजना के प्रभाव के कारण कई चिंताएं जताई हैं. इसमें वनों की कटाई एक प्रमुख चिंता का विषय है, जिसका मुख्य कारण इन पर्वतीय क्षेत्रों में स्थिरता का अभाव है.

हाल ही में, अगस्त के अंत में उत्तराखंड वन विभाग ने सीमा सड़क संगठन को चार धाम परियोजना का हिस्सा बनने वाले एक बाईपास सड़क के निर्माण के लिए 17.5 हेक्टेयर वन भूमि के उपयोग की सैद्धांतिक मंजूरी दे दी. इस तरह की कटाई, भूमि उपयोग में बदलाव और जलवायु परिवर्तन के कारण क्षेत्र में बारिश में तेज़ी आई है, जिसके कारण उत्तराखंड के चार धाम क्षेत्रों में हाल के दिनों में कई आपदाएं आई हैं. मालूम हो कि 5 अगस्त को गंगोत्री ग्लेशियर और धाम के रास्ते में पड़ने वाले एक गांव, धराली में हुए भूस्खलन में कई लोग मारे गए और सैकड़ों लापता हो गए. उत्तराखंड स्थित जीबी. पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान सहित विभिन्न संस्थानों के शोधकर्ताओं की एक टीम ने राज्य के चार धाम क्षेत्रों और उसके आसपास के क्षेत्रों में इको-पर्यटन की संभावनाओं का अध्ययन किया.

उन्होंने इन क्षेत्रों की पर्यटक वहन क्षमता का अनुमान लगाने के लिए दस अलग-अलग लेकिन प्रासंगिक सूचकांकों (जैसे अधिकतम बर्फ से आच्छादित क्षेत्र, ढलान और वनस्पति आवरण) की जांच की. वहन क्षमता, किसी स्थान के पर्यावरण और संसाधनों को नुकसान पहुंचाए बिना अधिकतम लोगों की संख्या को दर्शाती है. अध्ययन में पाया गया कि इन क्षेत्रों में इको-पर्यटन स्थलों का विकास करते समय ऊंचाई और ढलान

पर विचार करना महत्वपूर्ण है. 4,200 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्र पर्यटन विकास के लिए 'कम उपयुक्त' थे, और साथ ही खड़ी ढलान वाले स्थान भी. इसलिए वे कम ऊंचाई और कम ढलान वाले स्थलों पर पर्यटन विकास की सलाह देते हैं. उदाहरण के लिए बद्रीनाथ धाम और उसके आसपास के लगभग 50% क्षेत्र में ढलान 33 डिग्री से कम थी और ये पर्यटन गतिविधियों के विकास के लिए उपयुक्त स्थल थे. हालांकि, ये स्थल घाटियों में या उनकी ढलानों पर स्थित नहीं होने चाहिए, तथा घाटी के आधार से कम से कम 100 मीटर की दूरी बनाए रखनी चाहिए.

टीम ने भू-विविधता (भूवैज्ञानिक संरचनाओं के प्रकार जैसे तलछटी निक्षेप), जलवायु और हिम आवरण क्षेत्र में परिवर्तन जैसे सूचकांकों का भी अध्ययन किया. आश्चर्यजनक रूप से उन्होंने पाया कि इन चार तीर्थस्थलों और उनके आसपास के हिम आवरण क्षेत्र में 2002 से 2020 तक कमी आई है. उन्होंने पाया कि गंगोत्री ग्लेशियर में हिम आवरण में सबसे अधिक कमी आई है (प्रति वर्ष 22.36 मीटर), उसके बाद यमुनोत्री (प्रति वर्ष 20 मीटर), बद्रीनाथ (प्रति वर्ष 17.32 मीटर) और केदारनाथ (प्रति वर्ष 14.14 मीटर). इन ग्लेशियरों से सुरक्षित दूरी सुनिश्चित करते हुए टीम ने पाया कि पर्यटन विकास के लिए उपयुक्त क्षेत्र गंगोत्री और यमुनोत्री दोनों धामों में लगभग 167 वर्ग किलोमीटर, केदारनाथ में लगभग 145 वर्ग किलोमीटर और बद्रीनाथ में लगभग 100 किलोमीटर तक सीमित थे.

वहन क्षमता

इन सूचकांकों के आधार पर टीम ने इन चार क्षेत्रों की वहन क्षमता का विश्लेषण किया. उनके अनुमान के अनुसार, बद्रीनाथ की वास्तविक वहन क्षमता प्रतिदिन 11,833 से अधिकतम 15,778 पर्यटकों के बीच, केदारनाथ के लिए 9,833 से 13,111 के बीच, गंगोत्री के लिए 6,133 से 8,178 के बीच, और यमुनोत्री के लिए 4,620 से 6,160 के बीच है. अब 2019 में चार धाम यात्रा करने वाले लोगों की संख्या पर विचार करें, (आखिरी वर्ष जिसके लिए सरकारी आंकड़े उपलब्ध हैं; और 2021 को ध्यान में नहीं रखा गया है, क्योंकि आंकड़े दर्शाते हैं कि उस वर्ष कोविड-19 महामारी के कारण पर्यटकों की संख्या में भारी गिरावट आई थी) तो बद्रीनाथ में प्रतिदिन लगभग 6,073 पर्यटक, केदारनाथ में प्रतिदिन लगभग 4,878 पर्यटक, गंगोत्री में प्रतिदिन लगभग 2,586 पर्यटक और यमुनोत्री में प्रतिदिन लगभग 2,271 पर्यटक आए.

इन आंकड़ों के अनुसार, अध्ययन के अनुमान में पर्यटकों की संख्या अभी भी स्थायी सीमा के भीतर है. लेकिन इन तीर्थस्थलों पर आने वाले पर्यटकों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है. पिछले 24 वर्षों (2000-2024) में ही इन स्थलों पर आने वाले पर्यटकों की संख्या में प्रति वर्ष बद्रीनाथ में 28,784, केदारनाथ में 39,671, गंगोत्री में 28,784 तथा यमुनोत्री में 28,784 पर्यटकों की वृद्धि हुई है. हालांकि, चार धाम क्षेत्र (भौगोलिक विस्तार) अधिक पर्यटकों को समायोजित कर सकता है, ढलान और बर्फ से ढके क्षेत्र सहित कई कारक बताते हैं कि यहां आने वाले पर्यटकों की वास्तविक संख्या बहुत कम है. उदाहरण के लिए अध्ययन के अनुसार, बद्रीनाथ की भौतिक वहन क्षमता प्रतिदिन लगभग 29,500 पर्यटकों की है, लेकिन स्थायी सीमाओं को ध्यान में रखते हुए इसकी वास्तविक वहन क्षमता 11,833 है. इसी प्रकार, केदारनाथ की भौतिक वहन क्षमता प्रतिदिन लगभग 24,500 पर्यटकों की है, लेकिन इसकी वास्तविक वहन क्षमता 9,833 है. गंगोत्री लगभग 20,000 पर्यटकों को समायोजित कर सकता है, लेकिन इसकी वास्तविक वहन क्षमता 6,133 है, और यमुनोत्री लगभग 10,000 पर्यटकों को प्रतिदिन समायोजित कर सकता है, लेकिन इसकी वास्तविक वहन क्षमता 4,620 है.

अध्ययन में दिए गए सुझाव

इन सभी कारकों के आधार पर इको-टूरिज्म स्थलों की स्थापना के लिए सबसे उपयुक्त क्षेत्रों की पहचान करने के अलावा, अध्ययन में 'सैटेलाइट स्पॉट' - मौजूदा प्रमुख स्थलों के आसपास के क्षेत्र - विकसित करने की भी सिफारिश की गई है ताकि पर्यटन का 'विकेंद्रीकरण' हो और पर्यटन गतिविधियों और उनके प्रभावों (जैसे पानी की बढ़ती ज़रूरतें, अधिक अपशिष्ट उत्पादन) से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके. इसमें ऐसे कुछ स्थलों की सूची दी गई है. उदाहरण के लिए बद्रीनाथ में, मौजूदा पर्यटन स्थल बद्रीनाथ मंदिर में, तप्त कुंड, शेषनेत्र योगध्यान मंदिर और ब्रह्म कपाल के ठीक बगल में है. अध्ययन में सिफारिश की गई है कि जोशीमठ और औली जैसे सैटेलाइट स्पॉट (जो इस क्षेत्र में इको-टूरिज्म की संभावनाओं के लिए अत्यधिक उपयुक्त स्थानों में आते हैं), जो बद्रीनाथ चार धाम क्षेत्र की निचली ऊंचाई पर स्थित हैं, को स्थायी रूप से विकसित किया जाना चाहिए. लेकिन अध्ययन में कहा गया है कि इन 'उपग्रह स्थलों' को विकसित करने से पहले, सरकार को चार धाम क्षेत्रों में 'अनुकूलित कदम' उठाने की ज़रूरत है, जिसमें होम स्टे की योजना बनाने के लिए पर्वतारोहण गांव विकसित करना, पर्याप्त कार/वाहन पार्क जैसी बुनियादी ढांचागत सेवाएं और अन्य सुविधाएं विकसित करना, साथ ही समुदाय-आधारित ज़िम्मेदार पर्यटन पहल विकसित करना और सुरक्षित यात्रा के लिए एक स्थायी यात्रा मोबाइल एप्लिकेशन लॉन्च करना शामिल है. उदाहरण के लिए, सरकारी पहलों से खानाबदोश स्वदेशी आदिवासी समुदायों (जैसे बद्रीनाथ के माना गाँव में रदम्पा और भोटिया, और गंगोत्री में जड़-भोटिया) को सशक्त बनाया जाना चाहिए. अध्ययन में आगे कहा गया है कि इन स्थलों पर हवा, पानी और मिट्टी की गुणवत्ता की निगरानी के लिए बुनियादी ढांचा भी महत्वपूर्ण है.

अमेरिका द्वारा तेल कम्पनियो पर प्रतिबंध लगाने पर रूस के राष्ट्रपति पुतिन ट्रम्प से खफा

अमेरिका के नामचीन अर्थशास्त्री अपनी दुनिया के बाहर विश्व अर्थव्यवस्था का इंजन तलाशने की कोशिश कर रहे है।वर्षो पहले चीन ने अपनी आर्थिक वृद्धि दर बढाकर उसमे यह आशा पैदा की गई थी कि चीन विश्वअर्थव्यवस्था का अगला इंजन हो सकता है।यूरोपिय अमेरिकी अर्थशास्त्रियों को आशा थी कि चीन उनका नया बाजार बनेगा।चीन कम्युनिस्ट होने के नाते चीन का अपने अर्थतंत्र पर नियंत्रण है।वह अपने उत्पादन का स्वरूप भी तय करेगा।अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का व्यापार का स्वरूप आर्थिक कम,राजनैतिक अधिक है।उसका व्यापार वैसा नही है,जैसा अर्थशास्त्र की पुस्तकों में पढ़ाया जाता है।अमेरिका का व्यापार का लक्ष्य लोगो की आवश्यकता पूरी करने वाली वस्तुओं का आदान प्रदान करना नही है।उसके व्यापार का लक्ष्य एक व्यापारिक साम्राज्य खड़ा करना है।डोनाल्ड की नीतियां अमेरिका की जनता को रास नही आ रही है।डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ सड़को पर उतरी जनता का कोई औचित्य नही है।ट्रम्प की विदेश नीति द्विदाभरी दिखाई दे रही है।अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प चीन,भारत और रूस के खिलाफ मोर्चा खोलकर बैठ चुके है।भारत की किरकिरी करने वाले डोनाल्ड ने यह कभी नही सोचा कि भारत से द्विपक्षीय सम्बन्ध ठीक है।उसके बाद भारत को निशाने पर रखने का क्या मतलब है? अभी हाल ही में अमेरिका ने रूसी कम्पनियो पर प्रतिबंध लगाया है।रूस के रास्ट्रपति व्लदीमिर पुतिन ने कहा कि अमेरिका का प्रतिबंध दबाव बनाने की कोशिश है।तीन तेल कम्पनियो पर प्रतिबंध लगाकर रूस के हाथ बांध दिए है।पुतिनने अमेरिका को सीधा टारगेट कर कहते है कि युक्रेन पर मिल रही सफलता की वजह से अमेरिका ने तीन तेल कम्पनियो पर प्रतिबंध लगाया है।चीन को 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने पर चीन के रास्ट्रपति शी जिनपिंग ने अमेरिका को चेतावनी दी कि मर्यादा में रहना सीखे।क्योकि हम अमेरिका से भी युद्ध कर सकते है।विश्व की सुपरपावर तीनो देशो को टार्चर करने वाला अमेरिका इन देशों की तरक्की पचा नही पा रहा है। चीन अमेरिका के भरोसे पर नही है।अपना व्यापार बढ़ाने के लिए भारत जिस तरह से नए विकल्प खोज रहा है,वैसे ही चीन अपना व्यापार बढ़ाने के लिए नए मार्ग विकसित कर रहा है।अपने सामान की आवाजाही के लिए सुगम बनाने के लिए चीन बाहर व्यापक निवेश कर रहा है।उसने पारंपरिक व्यापारिक मार्गो को भी विकसित किया है।अमेरिका की समृद्धि उत्पादन से नही,मनाफ़े से पैदा हुई है।क्योंकि अमेरिका की जनसंख्या यूपी और बिहार जितनी ही है।मुनाफा उसको आंतरिक बाजार में नही मिला,जितना उसे बाहरी बाजार से मिला है।उसी का कारण है कि भारत रूस से तेल खरीद रहा है और रूस की बढ़ती आय से अमेरिका भारत पर नाराज है क्योंकि रूस की तेल की आय भारत से मिल रही है,वह युक्रेन पर जंग में खर्च कर रहा है।और अमेरिका और नाटो देश युक्रेन को हथियारों की मदद कर रूस के सामने टिके रहने की आर्थिक मदद कर रहे है।अभी हाल ही में लगाए गए तेल कम्पनियो पर प्रतिबंध से अमेरिका और रूस के राजनयिक सम्बन्ध खराब होने की आशंका जताई गई है।लेकिन अमेरिका के राष्ट्पति समझने के लिए तैयार नही है।यूरोप काआंतरिक बाजार विशाल अमेरिकी क्षेत्र पर नियंत्रण के बाद ही विकसित हुआ है। औधोगिक अर्थव्यवस्था अभी भी अपने व्यापारिक मनाफ़े के कारण टिकी है।वे वही समान पैदा कर रही है,जिनमे मुनाफा है।युद्ध सामग्री का व्यापार उन्ही के नियंत्रण में है।युद्ध सामग्री के अंतराष्ट्रीय बाज़ार के 34 से 49 प्रतिशत पर अमेरिका का नियंत्रण है और 25 प्रतिशत पर रूस है ।रूस भी कम ताक़तवर नही है।पुराने बाजार सिमट रहे है तो उन्होंने सेवा क्षेत्र के नए बाजार पैदा कर दिए है।उनकी दवा कम्पनिया दुनियाभर में लूटपाट मचाती रही

है।दुनियाभर में अपनी शैक्षणिक संस्थाओं,बीमा कम्पनियो, रिटेल स्टोरों के लिए दरवाजे खोलने का दबाव बनाते है।चीन का लक्ष्य मुनाफा बढ़ाना नही है,व्यापार का परिणाम बढ़ाना है।इसके लिए चीन भारी पूंजी निवेश भी कर रहा है।अमेरिका की भारत, चीन और रूस की बढ़ती आर्थिक ताकत से नाराज है।क्योंकि अमेरिका से आगे कोई भी देश नही जाना चाहिए।यही अमेरिका की नीति और भावना है।यूरोप अमिरिकी सामाज्य की चुनौती नही मिलेगी।पर वह यूरोप अमेरिका सामाज्य अपने आंतरिक असंतुलन से धराशायी हो सकता है।एक दिन अमेरिका का फर्स्ट तमगा लुढ़ककर धराशायी अवश्य होगा।क्योंकि तानाशाही शासक के रूप में उभर रहे ट्रम्प की कथनी समान नही है।विकसित देशों को अपने दबाव में लेकर दबाना चाहता है।लेकिन जिस तरह से रूस ने कहा कि कोई भी आत्मसम्मान वाले देश झूकेंगे नही।अगले वर्षो में परिवर्तन की लहर दौड़ सकती है।जनसंख्या वृद्धि में जो अंतर पैदा हो रहा है।वह इन परिवर्तनों का कारण ही है।अमेरिका ने तेल कम्पनियो पर प्रतिबंध इसलिए लगाए गया हैंकि रूस जंग रोकने के लिए तैयार नही है।पुतिन और चीन के रास्ट्रपति शी जिंगपिंग के अच्छे रिश्ते का हवाला देते हुए ट्रम्प ने कहा कि मैं शी जिनपिंग से जंग पर बात करूंगा। भारत पर लादे गए टैरिफ को लेकर आज भी अमेरिका और भारत की दिशा अलग थलग है। हमने तो स्वदेशी पर जोर देकर भारत मे दीपावली धूम्रधाम से मना ली है।लेकिन अमेरिका पर भारत आज भी नाराज है।आसियान समिट पर ऑनलाइन हिस्सा लेने की बात पर जोर देते हुए मोदी ने मलेशिया की द्विपक्षीय सम्बध मजबूत करने का मार्ग प्रशस्त किया है।

आशियान समिट में विदेश मंत्री जयशंकर की उपस्थिति रहने की पूरी सम्भावना है ।अमेरिका के तीखे तेवर भारत के स्वाभिमान पर अडिग है।हम अपना विकल्प ढूंढ रहे है।जबकि भारत किसी का मोहताज नही है।भारत को दबाने के लिए डोनाल्ड ट्रम्प की पैतरेबाजी का अब कोई औचित्य नही है।अमेरिका हमारे साथ ही दुर्व्यवहार नही करता है।वेनेजुएला और अमेरिका के बीच भी राजनयिक सम्बंध ठीक नही है।अमेरिका की पूंजीवादी औरविदेश नीतियों की वेनेजुएला आलोचना करता है।छोटे देशो को दबाव में रखना चाहता अमेरिका वेनेजुएला में सौ साल पूर्व तेल के भण्डार मिलने के बाद वेनेजुएला सम्पन्न बन चुका था।बीस सालों में वेनेजुएला शक्तिशाली और तेल निर्यातक देशो में अग्रणी बन गया।यह अमेरिका को पच नही रहा है।1950 में वेनेजुएला दुनिया मे चौथा बड़ा धनिक देश था।अभी हालाता खराब है।इस वजह से अमेरिका दबाव बना रहा है।लेकिन अमेरिका को जवाब देने के हिमत वेनेजुएला में है।उन्होंने कहा कि मर्यादा में रहिएगा।क्योकि हम भी जवाब देने के लिए तैयार है।

कांतिलाल मांडोत

संपादकीय

भारतीय सामरिक तकनीकी की उड़ान स्वदेशी तेजस मार्क1ए

भारत की सामरिक तकनीकी का लोहा जिस दिन दुनिया मानेगी वह दिन अब दूर नहीं है। भारत के स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस एलसीए मार्क 1ए का पहली बार उड़ान भरना निःसंदेह देश को गर्वांवित करने वाला है, क्योंकि विमानन और रक्षा आत्मनिर्भरता की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धि है। इस लड़ाकू विमान का उड़ान भरना भारत की रक्षा उद्योग की परिपक्वता, नीति-दिशा और दीर्घकालिक रणनीति को प्रमाणित करने के साथ ही 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' अभियानों को एक नई ऊर्जा प्रदान करता है। यह इस बात का संकेत है कि रणनीतिक दृष्टिकोण और राजनीतिक इच्छाशक्ति से कैसे सामरिक क्षमताओं को सहजता से एकीकृत किया जा सकता है। इस उपलब्धि को सिर्फ एक तकनीकी मील का पत्थर नहीं मानना चाहिए, बल्कि यह भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता तथा विदेश नीति में बदलती परिदृश्यों के बीच विवेकपूर्ण संतुलन का प्रतिबिंब है। दरअसल तेजस मार्क 1ए का लगभग 65 प्रतिशत हिस्सा भारत में निर्मित है और यह एक उन्नत, बहुउद्देश्यीय लड़ाकू विमान है। यह स्वदेशी 4.5-पीढ़ी का विमान है, जो सभी मौसमों में काम करने के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड द्वारा विकसित किया गया है। लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) का यह एडवांस वर्जन है और यह चौथी पीढ़ी का मल्टी-रोल फाइटर जेट है हल्का, तेज और सटीक वार करने में सक्षम है। सबसे बड़ी बात है कि यह हर मौसम, दिन-रात और हर ऑपरेशन में यह पूरी तरह सक्षम है। यह विमान 5.5 टन से अधिक हथियार ले जाने की क्षमता रखता है और एक साथ कई लक्ष्यों पर हमला कर सकता है। इसमें एईएसएस रडार, वियॉन्ड विजुअल रेंज (बीवीआर) मिसाइल सिस्टम, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सूट और हवा में ईंधन भरने की सुविधा है। एक और बड़ी बात है कि इस विमान में किसी भी अपग्रेड या बदलाव के लिए भारत को विदेशी अनुमति की जरूरत नहीं होगी। यह पूरी तरह से मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत की भावना को आगे बढ़ाने वाला प्रोजेक्ट है। इस विमान के निर्माण से देश के रक्षा और एयरस्पेस उद्योग को नई दिशा मिली है और यह सिर्फ एक विमान नहीं, बल्कि भारत की तकनीकी क्षमता और इंजीनियरिंग कौशल का प्रतीक है। इसलिए तेजस मार्क-1ए की पहली उड़ान न केवल भारत की वैज्ञानिक और औद्योगिक उपलब्धि है, बल्कि यह देश की रणनीतिक आत्मनिर्भरता की दिशा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसका उद्घाटन करते हुए ठीक कहा है कि इससे वायु सेना की ताकत कई गुना बड़ जायेगी। उन्होंने बताया कि एक समय था जब देश अपनी रक्षा जरूरतों के लिए दूसरे देशों पर निर्भर था और लगभग 65-70 प्रतिशत रक्षा उपकरण आयात किए जाते थे, लेकिन आज यह स्थिति चदल गई है। अब भारत 65 प्रतिशत विनिर्माण अपनी धरती पर कर रहा है। बहुत जल्द, हम अपने घरेलू विनिर्माण को भी 100 प्रतिशत तक ले जाएंगे। उन्होंने कहा कि भारत का रक्षा निर्यात रिकॉर्ड 25 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जो कुछ साल पहले एक हजार करोड़ रुपये से भी कम था। रक्षा मंत्री ने कहा कि कि हमने अब 2029 तक घरेलू रक्षा विनिर्माण में तीन लाख करोड़ रुपये और रक्षा निर्यात में 50 हजार करोड़ रुपये हासिल करने का लक्ष्य रखा है। तेजस मार्क। ए को वायुसेना में शामिल करने की तारीखों का एलान नहीं हुआ है, लेकिन एचएएल का कहना है कि आने वाले चार वर्षों में भारतीय वायुसेना को 83 तेजस मार्काए लड़ाकू विमानों की आपूर्ति की जाएगी। अमेरिकी इंजन की आपूर्ति में देरी की वजह से पहले ही देरी हो रही है। नासिक स्थित एचएएल की एयरक्राफ्ट मैन्युफैक्चरिंग डिविजन में हर साल आठ लड़ाकू विमानों का निर्माण करने की क्षमता है। इसके अलावा बंगलूरू में तेजस की दो प्रोडक्शन लाइन स्थित हैं, जहां हर साल 16 लड़ाकू विमान बनाए जा रहे हैं। इस तरह नासिक की प्रोडक्शन लाइन शुरू होने के बाद हर साल 24 लड़ाकू विमानों का निर्माण होगा। इसमें कोई दोमत नहीं है कि पिछले 11 वर्षों में, भारत हथियारों के मामले में काफी हद तक आत्मनिर्भर हो चुका है और स्वदेशी उत्पादन के उभरते केंद्र में तब्दील हो गया है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता एक मार्गदर्शक सिद्धांत रहा है, जिसने स्थानीय डिजाइन, विकास और विनिर्माण को प्राथमिकता देने वाली नीतियों को प्रेरित किया है। सरकारी सुधारों, रणनीतिक निवेशों और उद्योग साझेदारियों ने नवाचार को बढ़ावा दिया है और घरेलू क्षमताओं को मजबूत किया है। दरसअल रक्षा बजट में लगातार वृद्धि देखी गई है, जो 2013-14 में 2.53 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2025-26 में 6.81 लाख करोड़ रुपये हो गया है। 2024-25 में, भारत ने 1.50 लाख करोड़ का अपना अब तक का सर्वोच्च रक्षा उत्पादन हासिल किया, जो 2014-15 में दर्ज 46,429 करोड़ से तीन गुना अधिक है। भारत का रक्षा निर्यात 2013-14 में 686 करोड़ रुपये से बढ़कर 25 हजार करोड़ रुपये हो गया है, ये 36 गुना वृद्धि है, जो आत्मनिर्भर और विश्व

स्तर पर प्रतिस्पर्धी रक्षा उद्योग के लिए सरकार के प्रयास को रेखांकित करता है। सरकारी नीतिगत सुधारों, व्यापार सुगमता पहलों और आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रयासों से प्रेरित होकर, भारत अब 100 से अधिक देशों को निर्यात करता है। 2023-24 में भारत के रक्षा निर्यात के लिए शीर्ष तीन गंतव्य अमेरिका, फ्रांस और आर्मेनिया थे। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता से कई फायदे हो रहे हैं, इससे एक तरफ विदेशी मुद्रा की बचत हो रही है, तो दूसरी स्थानीय उद्योग सशक्त हो रहे हैं। भारत इसी गति और प्रगति के साथ आगे बढ़े, तो एशिया में सामरिक संतुलन पर भारत की भूमिका और अधिक निर्णायक हो सकती है। चीन, पाकिस्तान जैसे पड़ोसी देशों के साथ संतुलित शक्ति स्थिति बनाए रखना, विशेष रूप से सीमाई तनावों के समय, यह कदम भारत को अधिक हिम्मत और स्वायत्तता देता है। हालांकि एक सफल उड़ान एक प्रारंभिक सफलता है, शत-प्रतिशत सफलता हासिक करना अभी है। इसे बेहतर तरीके से व्यवहारिक, युद्ध-योग्य विमान बनाने की राह अभी लंची है। मगर इसके बाजवूद तेजस मार्क 1ए का सफल प्रथम उड़ान भारत के आत्मविश्वास, तकनीकी साहस और राष्ट्रनिर्माण की महत्वाकांक्षा का द्योतक है। यह सिर्फ एक विमान का उड़ान भरना नहीं, बल्कि यह एक बदलाव की शुरुआत है, एक संकल्प की अभिव्यक्ति कि भारत अब सिर्फ खरीदार नहीं, निर्माता बनेगा। लेकिन इस उपलब्धि को सफलतम रूप देने के लिए निरंतर प्रयास, दूरदृष्टि, संसाधनों का समुचित प्रबंधन और समयबद्ध कार्यान्वयन जरूरी है। यदि यह संतुलन बना रहे तो भारत न सिर्फ रक्षा क्षेत्र मेंआत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर होगा, बल्कि उन देशों की कतार में खड़ा हो जाएगा, जो रक्षा उपकरणों, तकनीकी नवाचार और सामरिक क्षमता में वैश्विक मानदंड तय करते हैं। इसलिए निःसंदेह तेजस मार्क 1ए उस सपने की उड़ान की शुरुआत है। भारत बहुत जल्द व्यापक सामरिक निर्माता बनेगा इसमें कोई संदेह नहीं है।

मनोज कुमार अग्रवाल

राष्ट्रीय सहकारी संगठनों का साझा सपना - भारत टैक्सी

सशक्त ड्राइवर, भरोसेमंद सेवा - भारत टैक्सी का नया अध्याय

भारत की सड़कों पर सहकारिता की एक नई क्रांति जन्म ले रही है, जो मेहनतकश ड्राइवरों को सशक्त बनाएगी, यात्रियों को किफायती और सुरक्षित सवारी का भरोसा देगी, और सामाजिक-आर्थिक समानता की दिशा में एक मजबूत कदम उठाएगी। 'भारत टैक्सी' - यह सिर्फ एक सेवा नहीं, बल्कि एक मिशन है, जो ओला-उबर जैसे दिग्गजों को चुनौती देगा और सहकारिता के सिद्धांतों पर नई इबारत लिखेगा। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्च 2025 के वादे ने अब ठोस आकार लिया है। 'सहकार टैक्सी' के रूप में शुरू हुआ यह सपना अब 'भारत टैक्सी' बनकर नवंबर 2025 में सॉफ्ट लॉन्च के लिए तैयार है, और दिसंबर से दिल्ली व गुजरात में अपनी रफ्तार पकड़ेगा। ऐप-आधारित सेवा के साथ-साथ प्रीपेड बूथों के जरिए यह समावेशी, सस्ती और विश्वसनीय सवारी का वादा करता है। 'भारत टैक्सी' सहकारिता की एक ऐसी मिसाल है, जो राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी), भारतीय कृषक उर्वरक सहकारी लिमिटेड (इफको), गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन संघ (जीसीएमएमएफ) और आठ अन्य सहकारी संस्थाओं के साझा संकल्प से जन्मी है। जून 2025 में पंजीकृत इस बहु-राज्य सहकारी कैब कोऑपरेटिव लिमिटेड को 300 करोड़ रुपये की स्वावलंबी पूंजी का बल प्राप्त है, जो बिना सरकारी हिस्सेदारी के आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। इसका ध्येय स्पष्ट है - ड्राइवरों को उनकी मेहनत का पूरा फल देना और यात्रियों को किफायती, पारदर्शी व विश्वसनीय सेवा प्रदान करना। जहां ओला-उबर जैसे प्लेटफॉर्म 20-30% कमीशन वसूलते हैं, 'भारत टैक्सी' बिना कमीशन या न्यूनतम कमीशन के साथ ड्राइवरों की आय को बढ़ावा देगी। सर्ज प्राइसिंग का बोझ न होने से यह सेवा हर वर्ग के लिए सस्ती होगी। चाहे सुबह की भागदौड़ हो, शादी का मौसम हो, या बारिश की रात, किराया हमेशा स्थिर रहेगा। यह न केवल यात्रियों को आर्थिक राहत देगा, बल्कि ड्राइवरों को अनिश्चितता से मुक्ति दिलाकर उनके जीवन में स्थिरता लाएगा। %भारत टैक्सी% की सबसे बड़ी शक्ति इसकी समावेशी सोच है, जो तकनीक और परंपरा का अनूठा संगम रचती है। यह ऐप-आधारित सेवा होते हुए भी उन लोगों को गले लगाती है, जो डिजिटल दुनिया से कम वाकिफ हैं। एयरपोर्ट, मेट्रो स्टेशन, रेलवे स्टेशन और बस अड्डों पर प्रीपेड बूथ स्थापित किए जाएंगे, जहां स्मार्टफोन के बिना भी बुकिंग आसान होगी। यह सुविधा बुजुर्गों, ग्रामीण यात्रियों और तकनीकी रूप से कम सक्षम लोगों के लिए एक वरदान होगी। टू-व्हीलर, कार, ऑटो-रिक्शा से लेकर लग्जरी गाड़ियों तक की व्यापक रेंज, प्रति ट्रिप या आठ घंटे के पैकेज में उपलब्ध होगी, जो हर जरूरत को पूरा करेगी। सुरक्षा के लिए जीपीएस ट्रैकिंग, इमरजेंसी बटन और सत्यापित ड्राइवरों की व्यवस्था इसे निजी ऑपरेटरों से कहीं अधिक भरोसेमंद बनाएगी। आईआईएम बेंगलुरु द्वारा मांग का गहन अध्ययन सुनिश्चित करेगा कि यह सेवा देश के कोने-कोने तक पहुंचे। दिल्ली और गुजरात से शुरू होकर, यह क्रांति चरणबद्ध रूप से पूरे भारत को जोड़ेगी। 'भारत टैक्सी' की आत्मा इसके ड्राइवर हैं, जो इस मिशन की रीढ़ बनकर सहकारिता की नई मिसाल गढ़ रहे हैं। अब तक दिल्ली, गुजरात, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश से 614 ड्राइवर इस क्रांति का हिस्सा बन चुके हैं–दिल्ली से 254, गुजरात से 150, महाराष्ट्र से 110 और उत्तर प्रदेश से 100। ये ड्राइवर न केवल वाहन चलाएंगे, बल्कि सहकारी समिति के सदस्य के रूप में इसके संचालन में हिस्सेदारी करेंगे और भविष्य में डायरेक्टर स्तर तक पहुंचकर सच्चे उद्यमी बन सकेंगे। इस योजना का ध्येय ड्राइवरों को उनकी मेहनत का पूरा हक दिलाना और यात्रियों को सुरक्षित, किफायती सेवाएं प्रदान करना है। सहकारी समिति ड्राइवरों का नेटवर्क मजबूत करने के लिए अन्य संगठनों से गठजोड़ बढ़ा रही है, ताकि यह मॉडल न्यूनतम कमीशन और अधिकतम मुनाफे के साथ ड्राइवरों को सशक्त बनाए। तेलंगाना गिग एंड प्लेटफॉर्म वर्कर्स यूनियन जैसे संगठनों ने इसे ड्राइवर-केंद्रित दृष्टिकोण बताकर इसका जोरदार स्वागत किया है। हालांकि, राह आसान नहीं है। ओला-उबर जैसे दिग्गजों का विशाल ग्राहक आधार, मजबूत तकनीकी ढांचा और आक्रामक मार्केटिंग 'भारत टैक्सी' के लिए चुनौती खड़ी करते हैं। इस प्रतिस्पर्धा में टिकने के लिए न केवल तकनीकी उत्कृष्टता, बल्कि व्यापक जन-जागरूकता और ड्राइवरों का अटूट भरोसा जीतना जरूरी होगा। दिसंबर 2025 में ऐप लॉन्च की तैयारियां जोरों पर हैं, और टेक पार्टनर का चयन जल्द पूरा होगा। फिर भी, शुरुआती दौर में तकनीकी खामियां या सीमित ड्राइवर नेटवर्क मांग को पूरा करने में बाधा बन सकते हैं। प्रीपेड बूथों का रखरखाव और ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंच भी चुनौतीपूर्ण होगा। बावजूद इसके, आईआईएम बेंगलुरु की सटीक मार्केटिंग रणनीति और सहकारी संगठनों का मजबूत नेटवर्क 'भारत टैक्सी' को बाजार में स्थापित करने में निर्णायक भूमिका निभाएगा।

सहकारी मॉडल की ताकत इसे बाजार की अस्थिरताओं से मुक्त रखेगी, जो इसे दीर्घकालिक सफलता का प्रबल दावेदार बनाती है। 'भारत टैक्सी' पारदर्शिता और सामाजिक न्याय का एक प्रखर प्रतीक है, जो ड्राइवरों को शोषण से मुक्ति दिलाएगी और यात्रियों को किफायती, सुरक्षित सवारी का भरोसा देगी। इसका असली इम्तिहान तब होगा, जब यह सड़कों पर दौड़ेगी और ओला-उबर जैसे दिग्गजों के वर्चस्व को चुनौती देगी। क्या यह ड्राइवरों का अटूट विश्वास जीत पाएगी? क्या यह लाखों यात्रियों की उम्मीदों पर खरा उतरेगी? ये सवाल समय के साथ जवाब पाएंगे, लेकिन एक सचाई निर्विवाद है–'भारत टैक्सी' सहकारिता की एक नई मशाल है। यह महज एक परिवहन सेवा नहीं, बल्कि लाखों ड्राइवरों को सशक्त उद्यमी बनाने और यात्रियों को भरोसेमंद विकल्प देने का एक क्रांतिकारी मिशन है। दिसंबर 2025 से दिल्ली और गुजरात की सड़कों पर शुरू होने वाली यह यात्रा जल्द ही पूरे भारत को एक सूत्र में पिरोएगी। यह न केवल मंजिलों तक ले जाएगी, बल्कि समृद्धि, समानता और आत्मनिर्भरता की नई राहें खोलेगी। तो, क्या आप इस ऐतिहासिक क्रांति की सवारी के लिए तैयार हैं?

प्रो. आरके जैन

जम्मू-कश्मीर विलय दिवसः भारत की संप्रभुता का शाश्वत अध्याय

भारतीय इतिहास में 26 अक्टूबर का दिन एक अविस्मरणीय और निर्णायक मोड़ के रूप में दर्ज है, जिसे प्रतिवर्ष 'जम्मू-कश्मीर विलय दिवस' के रूप में मनाया जाता है। यह वह ऐतिहासिक तिथि है, जब जम्मू और कश्मीर रियासत के तत्कालीन शासक महाराजा हरि सिंह ने 'विलय पत्र' पर हस्ताक्षर करके, अपनी रियासत को भारत संघ का एक अभिन्न और कानूनी हिस्सा बनाने का युगांतकारी निर्णय लिया था। यह घटना सिर्फ एक कागजी कार्रवाई नहीं थी, बल्कि यह भारतीय संप्रभुता की रक्षा, लोकतंत्र के मूल्यों और राष्ट्रीय एकता के प्रति अटूट आस्था का प्रतीक थी, जिसकी जड़ें देश के विभाजन के साथ उपजे भीषण संकट में निहित थीं। 1947 में जब ब्रिटिश राज समाप्त हुआ, तो भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम के तहत भारत का विभाजन हुआ और लगभग 565 रियासतों को यह विकल्प मिला कि वे भौगोलिक और जनसांख्यिकीय कारकों को ध्यान में रखते हुए भारत या पाकिस्तान में से किसी एक के साथ विलय करें, या सैद्धांतिक रूप से स्वतंत्र रहें। जम्मू-कश्मीर, एक मुस्लिम बहुल आबादी वाली, लेकिन हिंदू शासक वाली रियासत होने के नाते, महाराजा हरि सिंह ने शुरुआत में स्वतंत्र रहने की इच्छा व्यक्त की थी। उन्होंने पाकिस्तान के साथ 'यथास्थिति समझौता' (Standstill Agreement) भी किया था, जबकि भारत के साथ बातचीत जारी थी। महाराजा का यह कदम, संभवतः, उनके राज्य की विशिष्ट पहचान और संप्रभुता को बनाए रखने की एक कोशिश थी, लेकिन यह स्थिति लंबे समय तक कायम नहीं रह सकी। अक्टूबर 1947 के शुरुआती दिनों में ही, पाकिस्तान की ओर से दबाव और शत्रुतापूर्ण गतिविधियाँ शुरू हो गईं। 22 अक्टूबर 1947 को, पाकिस्तान द्वारा समर्थित कबायली आक्रमणकारियों ने, जिन्हें पाकिस्तानी सेना का प्रत्यक्ष सहयोग प्राप्त था, जम्मू-कश्मीर पर बर्बर हमला कर दिया। 'ऑपरेशन गुलमर्ग' के नाम से चलाए गए इस आक्रमण का मुख्य उद्देश्य रियासत पर बलपूर्वक कब्जा करना था। आक्रमणकारियों ने बड़े पैमाने पर लूटपाट, हत्या और अराजकता फैलाई, जिससे राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। बारामूला में भयानक नरसंहार हुआ और ये आक्रमणकारी तेजी से श्रीनगर की ओर बढ़ रहे थे, जहाँ महाराजा और उनकी राजधानी थी। महाराजा हरि सिंह की स्थानीय सेना इन विशाल और बर्बर ताकतों का सामना करने में असमर्थ रही, और राज्य एक गंभीर अस्तित्वगत संकट से घिर गया। इस विकट परिस्थिति में, अपनी रियासत और प्रजा को विनाश से बचाने के लिए महाराजा हरि सिंह ने भारत सरकार से तत्काल सैन्य सहायता की अपील की। भारत सरकार, जिसके प्रमुख तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और उप-प्रधानमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल थे, ने स्पष्ट किया कि भारतीय सेना किसी संप्रभु (स्वतंत्र) क्षेत्र में हस्तक्षेप नहीं कर सकती। सैन्य सहायता देने की एकमात्र शर्त यह थी कि जम्मू-कश्मीर को विधिवत रूप से भारत संघ का हिस्सा बनना होगा। इन विकट परिस्थितियों को देखते हुए, महाराजा हरि सिंह ने 26 अक्टूबर 1947 को, भारत सरकार के प्रतिनिधि वी.पी. मेनन की उपस्थिति में, 'विलय पत्र' पर हस्ताक्षर किए। इस पत्र पर हस्ताक्षर होते ही, जम्मू-कश्मीर, कानूनी और संवैधानिक रूप से, भारतीय गणराज्य का एक अभिन्न अंग बन गया। विलय पत्र के अनुसार, रियासत ने अपनी रक्षा, विदेश मामले और संचार के अधिकार भारत सरकार को सौंप दिए। विलय पत्र पर हस्ताक्षर होते ही, भारतीय सेना ने अगले ही दिन 27 अक्टूबर को हवाई मार्ग से श्रीनगर में प्रवेश किया और हमलावरों के खिलाफ मोर्चा संभाल लिया। भारतीय सेना के त्वरित और साहसी हस्तक्षेप ने आक्रमणकारियों को श्रीनगर पर कब्ज़ा करने से रोक दिया। ब्रिगेडियर राजेंद्र सिंह जैसे वीर सैनिकों ने इस प्रारंभिक युद्ध में सर्वोच्च बलिदान दिया, जिससे भारतीय सेना को श्रीनगर पहुंचने और पाकिस्तानी समर्थित कबायलियों को खदेड़ने का अमूल्य समय मिल सका। भारतीय सेना ने हमलावरों को काफी हद तक पीछे धकेल दिया, लेकिन चूंकि मामला संयुक्त राष्ट्र में ले जाया गया, इसलिए युद्धविराम के कारण राज्य का एक हिस्सा (जिसे पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर या क्ष्य कहा जाता है) अवैध रूप से पाकिस्तान के कब्जे में चला गया। विलय दिवस का महत्व केवल ऐतिहासिक नहीं, बल्कि वर्तमान और

भविष्य के लिए भी अत्यधिक प्रासंगिक है। यह दिन भारत की संवैधानिक सर्वोच्चता और जम्मू-कश्मीर के साथ अटूट बंधन को रेखांकित करता है। दशकों तक, इस विलय की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और अनुच्छेद 370 के तहत प्राप्त विशेष दर्जे के कारण जम्मू-कश्मीर का भारत के साथ संबंध एक विशेष आयाम में रहा। हालाँकि, 5 अगस्त 2019 को, भारत सरकार ने अनुच्छेद 370 को समाप्त करके जम्मू-कश्मीर को देश की मुख्यधारा में पूरी तरह से एकीकृत कर दिया, जिससे 'एक देश, एक संविधान' की भावना को बल मिला। यह कदम वास्तव में 26 अक्टूबर 1947 को किए गए ऐतिहासिक विलय को उसकी तार्किक परिणति तक पहुंचाने का प्रयास था। आज, जम्मू-कश्मीर विलय दिवस, केंद्र शासित प्रदेश और पूरे देश में राष्ट्रीय गौरव और एकता के पर्व के रूप में मनाया जाता है। 2020 में इसे आधिकारिक सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाना, इस दिवस की राष्ट्रीय स्मृति में बढ़ती महत्ता को दर्शाता है।

यह दिवस हमें महाराजा हरि सिंह की दूरदर्शिता, भारतीय सेना के अदम्य शौर्य और भारत के राष्ट्रीय नेतृत्व के संकल्प को याद करने का अवसर प्रदान करता है, जिन्होंने सुनिश्चित किया कि जम्मू-कश्मीर की नियति भारत के धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक और प्रगतिशील ढांचे के साथ जुड़ी रहे। यह पर्व इस बात की पुष्टि करता है कि जम्मू-कश्मीर कल भी भारत का था, आज भी भारत का है, और हमेशा भारत का अभिन्न अंग बना रहेगा। यह विलय दिवस, भारत की संप्रभुता के शाश्वत अध्याय का एक जीवंत स्मरण है, जो भविष्य की पीढ़ियों को राष्ट्रीय एकता और बलिदान के मूल्यों से प्रेरणा देता रहेगा।

महेन्द्र तिवारी

कर्ज़ के सैलाब,आतंकवाद की मानसिकता में डूबता पाकिस्तान

पाकिस्तान आज ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहाँ विदेशी उधारी उसकी अर्थव्यवस्था के गले की फांस बन चुकी है, और आतंकवाद उसकी राजनीतिक कमजोरी। मई 2025 में इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (IMF) से हुए नए समझौते के तहत पाकिस्तान को महज़ 1 अरब डॉलर की रिहाई मिली – यह राहत नहीं, बल्कि सरकारी आँकड़ों के अनुसार, देश का कुल सार्वजनिक और गारंटीशुदा कर्ज़ अब GDP के 70% से अधिक हो चुका है।वास्तविकता यह है कि पाकिस्तान की आम जनता महंगाई, बेरोज़गारी और ऊर्जा-संकट की त्रासदी से त्रस्त है। आटा सौ रुपए किलो से ऊपर, बिजली की दरों में 30% से अधिक वृद्धि, और बेरोज़गारी रिकॉर्ड स्तर पर। एक समय का कृषि-प्रधान राष्ट्र अब कर्ज़ और कट्टरता के बोझ से कराह रहा है। अफगानिस्तान में तालिबान शासन के पुनः सशक्त होने के बाद, पाकिस्तान की सुरक्षा स्थिति और भी डांवाडोल हो गई है।तालिबान के गुट, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (TTP) जैसे संगठनों को पाकिस्तान की नीति ने कभी "रणनीतिक गहराई" समझा था; आज वही उसके गले की फाँस बन चुके हैं।सीमा पार से लगातार हमले, विद्रोही गतिविधियाँ और आतंकी घुसपैठ पाकिस्तान की भीतर की असुरक्षा को और उजागर कर रही है। जिस देश ने दशकों तक अफगानिस्तान को अपनी सैन्य प्रयोगशाला बनाया, आज वही उसका सबसे असुरक्षित पड़ोसी बन चुका है। अमेरिका का पाकिस्तान के प्रति दृष्टिकोण अब ठंडा और व्यवहारिक है। अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद वाशिंगटन ने पाकिस्तान से दूरी बना ली। अमेरिका अब भारत और इंडो-पैसिफिक रणनीति पर अधिक केंद्रित है, और पाकिस्तान को "सुरक्षा साझेदार" के बजाय "भू-राजनीतिक बोझ" की तरह देख रहा है। इमरान खान का "अमेरिका विरोध" और चीन झुकाव नीति इस दूरी को और बढ़ा चुकी है। अब अमेरिकी कूटनीति पाकिस्तान को केवल आतंक-नियंत्रण और मानवाधिकार के चश्मे से देखती है – मदद या निवेश की उम्मीद लगभग समाप्त हो चुकी है।चीन के साथ पाकिस्तान की दोस्ती अब कर्ज़ी रिश्ते में बदल चुकी है। चीन-पाक आर्थिक गलियारा (CPEC) जिसे कभी "विकास की जीवनरेखा" कहा गया था, अब "कर्ज़ और निर्भरता की जंजीर" बन चुका है।चीन ने अरबों डॉलर का निवेश किया, पर उस निवेश का नियंत्रण पूरी तरह बीजिंग के हाथ में है। चीन पाकिस्तान को रणनीतिक उपनिवेश की तरह देख रहा है – जहाँ उसका आर्थिक नियंत्रण, बंदरगाहों पर सैन्य पहुँच, और संसाधनों पर प्रभुत्व स्थापित हो रहा है। ग्वादर पोर्ट आज पाकिस्तान की नहीं, बल्कि चीनी सैन्य योजना का हिस्सा बन चुका है। इमरान सरकार और अब शहबाज़ शरीफ़ की सरकार, दोनों ही चीन पर अत्यधिक निर्भरता के जाल में फँस चुके हैं। चीन से मिलने वाले 11 अरब डॉलर के सहायता-पैकेज और IMF की कड़ी शर्तों के बीच पाकिस्तान का बजट मानो उधार के ऑक्सीजन सिलिंडर पर टिका है।जब कोई देश भीतर से कमजोर होता है, तो वह बाहरी दुश्मन की कल्पना करता है। इमरान खान के समय से लेकर अब तक, पाकिस्तान के नेतृत्व ने भारत-विरोध को अपनी विफलताओं की ढाल बना लिया है।ड्रोन हमले, सीमा पार घुसपैठ, या भारत के विरुद्ध बयानबाज़ी ये सब जनता के ध्यान को महंगाई, भ्रष्टाचार और बेरोज़गारी से भटकाने की कोशिशें हैं। दूसरी तरफ भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अंतरराष्ट्रीय छवि एक शांति-दूत और विकास के प्रतीक के रूप में पाकिस्तान के नेतृत्व को असहज करती है। भारत जहाँ आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है,वहीं पाकिस्तान कर्ज़ निर्भरता की दलदल में

डूबता जा रहा है।पाकिस्तान की स्थिति अब आर्थिक संकट से आगे बढ़कर राजनीतिक अव्यवस्था में बदल रही है।देश के भीतर की सत्ता-लड़ाई, सेना का अप्रत्यक्ष नियंत्रण, और जनता की आक्रोश ये सब संकेत हैं कि दिवालियापन केवल वित्तीय नहीं, वैचारिक भी है। कर्ज़, आतंकवाद और कूटनीतिक असफलताओं के इस त्रिकोण ने पाकिस्तान कोदक्षिण एशिया के सबसे अस्थिर राष्ट्रों की पंक्ति में ला खड़ा किया है। यदि सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए, तो निकट भविष्य में पाकिस्तान न केवल IMF पर, बल्कि चीन की कर्ज़ी पकड़ में पूरी तरह समा जाएगा।और तब इतिहास यही कहेगा – "जिस देश ने आतंक को नीति बनाया, उसे कर्ज़ और अराजकता ने निगल लिया।"

संजीव ठाकुर

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

युवक को मार कर खेत में फेंका,दो नामजद समेत अज्ञात पर मामला दर्ज

मृतक युवक के पैर में चोट के निशान, मोबाइल भी गायब

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के कुंभड़ौरा गांव में खेत में मिले युवक के शव के मामले में नया मोड़ आ गया है। मृतक के परिवारीजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए दो लोगों को नामजद किया है। मृतक के पिता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव निवासी आशु शुक्ल उर्फ बिंदा प्रसाद का शव शुक्रवार की सुबह गांव के ही धनराज सिंह के खेत के पास मिला था। उसके पैर पर गंभीर चोट के निशान थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। शुक्रवार को पीएम रिपोर्ट आने पर मौत का कारण करंट लगना बताया गया। मृतक के पिता माता प्रसाद शुक्ल ने गांव के ही रामजानकी उर्फ टिहुरा पासी, छेदी पासी और अन्य अज्ञात लोगों पर बेटे की हत्या का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि आरोपियों ने उसके बेटे को मारकर सबूत मिटाने के लिए शव खेत में छिपा दिया। बेटे का मोबाइल फोन भी गायब कर दिया। रिपोर्ट दर्ज न होने पर परिवारीजनों ने शव का अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया था। दोपहर बाद जब पुलिस ने मामला दर्ज किया तो वे राजी हुए। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में करंट लगने से मौत की पुष्टि हुई है। सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है।

उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में कोतवाली परिसर में संपन्न हुआ समाधान दिवस

महराजगंज/रायबरेली। समाधान दिवस में आने वाली शिकायतों का निस्तारण संबंधित विभाग के अधिकारी व कर्मचारी समय सीमा के अंदर निस्तारित करना सुनिश्चित करें अन्यथा निस्तारण में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारी बक्से नहीं जाएंगे यह उद्गार आज महराजगंज कोतवाली परिसर में आयोजित समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए उप जिलाधिकारी गौतम सिंह व्यक्त कर रहे थे। बताते चलें कि कोतवाली परिसर में आयोजित समाधान दिवस में कुल 9 शिकायतें प्राप्त हुए जो राजस्व से संबंधित थे जिसमें एक भी शिकायती पत्र का मौके पर निस्तारण नहीं हो सका इस मौके पर कोतवाली प्रभारी जगदीश यादव,एस एस आई देवेंद्र सिंह भदौरिया,एस आई दिनेश गोस्वामी,एस आई राजवीर सिंह,एस आई रोहित कुमार,एस आई सुनील कुमार चौहान सहित राजस्व व पुलिस विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे तो वहीं क्षेत्र के चंदापुर थाना परिसर में आयोजित समाधान दिवस आयोजित किया गया जिसकी अध्यक्षता थाना अध्यक्ष चंदापुर अरविंद कुमार सिंह ने की तो वही कुल पांच शिकायती पत्र आए जिसमें तीन शिकायती पत्रों का मौके पर निस्तारण किया गया तो वही दो राजस्व संबंधित शिकायतों में राजस्व पुलिस टीम गठित कर निस्तारण के निर्देश दिए गए इस अवसर पर राजस्व विभाग व पुलिस विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे।

सीतापुर बना फॉर्मर रजिस्ट्री अभियान में नंबर-1 जिला, अब तक 74 प्रतिशत किसानों का रजिस्ट्रेशन हुआ पूरा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में चल रही फॉर्मर रजिस्ट्री अभियान में सीतापुर जिला प्रदेश का सिरमौर बन गया है। अब तक यहां 74 प्रतिशत किसानों का पंजीकरण पूर्ण हो चुका है। इसके साथ ही बस्ती 74 प्रतिशत के साथ दूसरे और रामपुर 70 प्रतिशत रजिस्ट्री के साथ तीसरे स्थान पर है। राज्य स्तर पर अब तक लगभग 54 प्रतिशत किसानों की रजिस्ट्री पूरी हो चुकी है, जिससे करीब 1.5 करोड़ किसान लाभान्वित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर यह अभियान प्रदेशव्यापी मिशन मोड में संचालित किया जा रहा है।

एक अप्रैल से रजिस्ट्री अनिवार्य- 1 अप्रैल 2026 से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (PM-Kisan) की अगली किस्त केवल उन्हीं किसानों को मिलेगी, जिनकी रजिस्ट्री पूरी हो चुकी है। इसी कारण सभी जिलों में किसानों के पंजीकरण और सत्यापन की गति तेज की जा रही है। योगी सरकार ने जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि 30 नवंबर तक हर गांव में किसान पंजीकरण शिविर आयोजित किए जाएं। इसके लिए कैंप चार्ट तैयार कर राज्य स्तर पर साझा करने को कहा गया है। साथ ही PM Kisan सत्यापन का कार्य भी तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। 4 हजार किसानों का प्रतिदिन हो रहा पंजीकरण सीतापुर में औसतन 4,000 किसानों का पंजीकरण प्रतिदिन किया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य है कि नवंबर अंत तक प्रदेश के सभी पात्र किसानों का पंजीकरण और सत्यापन पूर्ण हो जाए, ताकि कोई भी किसान अगली पीएम किसान किस्त से वंचित न रह जाए।

9 सालों तक किसी दूसरे मृत किसान की पत्नी बन महिला ने रची खौफनाक साजिश, मामला खुला तो दंग रह गए सभी

● मृत किसान की पत्नी बताकर महिला ने रची साजिश

महिला ने संपत्ति हड़पने की रची खौफनाक साजिश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। जाली दस्तावेजों में खुद को दिवंगत किसान की पत्नी बताकर जालसाज महिला ने करोड़ों की संपत्ति हड़पने की साजिश रची। इसकी जानकारी किसान की पत्नी को तब हुई जब वरासत के आवेदन में राजस्व निरीक्षक ने मामले को विवादित बताकर नायब तहसीलदार निगोहां की कोर्ट में वाद दाखिल कर दिया। वृद्धा गुहार लेकर अफसरों के दरवाजे खटखटाती रही पर सुनवाई नहीं हुई। वृद्धा के बेटे ने दस्तावेजों का परीक्षण कराया तो वह फर्जी निकले। थाना प्रभारी नगराम विवेक कुमार चौधरी ने बताया कि पीड़िता ने कोर्ट की मदद से पूर्व प्रधान, ग्राम पंचायत सचिव और जालसाज महिला के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

ममईमऊ गांव निवासी पीड़िता वृद्धा जगदेई ने बताया कि पति जगदेव प्रसाद का दो अगस्त 2016 को देहांत हो गया था। उनके दो बच्चे विजय और अजय कुमार हैं। पति की हरदोया और ममईमऊ स्थित जमीन की वरासत के लिए आवेदन किया। राजस्व निरीक्षक ने मामले को विवादित बताकर नायब तहसीलदार कोर्ट निगोहां में वाद दाखिल कर दिया। वाद चला साक्ष्य प्रस्तुत किए गए। इसके बाद 23 फरवरी 2021 में बतौर वारिस उनके नाम जमीन दर्ज करने के आदेश हो गए। इसी तरह ममईमऊ स्थित जमीन में भी उनका नाम दर्ज कराने का आदेश 12 अगस्त 2021 को हुआ, लेकिन संपत्ति उनके नाम वरासत नहीं हुई।

इस बीच उन्हें पता चला कि नगराम के अनैया खरगापुर में रहने वाली कमला उर्फ मालती देवी ने साजिश के तहत दस्तावेजों (आधार कार्ड व अन्य में) अपने को जगदेव प्रसाद की पत्नी दर्शा कर आवेदन किया है। वह प्रापर्टी अपने नाम कराना चाहती है। इस पूरे मामले में पूर्व प्रधान व एक पंचायत सचिव भी शामिल हैं। उन्होंने फर्जी दस्तावेज बनवाए हैं।वह लोग संपत्ति मालती के नाम करा उसे बेचना चाहते हैं। इसके बाद उन्होंने तहसील से मालती द्वारा किए गए आवेदन के दस्तावेजों की कापी निकलवाई तो पता चला कि आधार कार्ड व परिवार रजिस्टर में मालती का नाम दर्ज है। विरोध किया तो आरोपितों ने धमकी दी। इसके बाद कोर्ट में अपील की। कोर्ट के आदेश पर आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया।

समाधान दिवस का आयोजन पांच मामलों का मौके पर निस्तारण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली परिसर में शनिवार को थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नायब तहसीलदार ऋतुराज नगर ने की। इस दौरान कुल 12 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से पांच का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया, जबकि शेष मामलों को संबंधित क्षेत्र के दरोगा और लेखपाल को जांच के लिए भेजा गया। पिलखा गांव निवासी शिवपाल ने अपने गांव के तीन लोगों पर भूमि पर कब्जे और जबरन हस्तक्षेप का आरोप लगाया। पीड़ित का कहना था कि वह अपनी जमीन पर बुवाई कर रहा था। तभी आरोपी बार-बार पुलिस बुलाकर विवाद पैदा कर रहे हैं। उसने जमीन की सुरक्षा और कार्रवाई की मांग की। पूरे धौकल गांव निवासी राजकुमारी ने गांव के ही तीन लोगों पर मारपीट का आरोप लगाया। उसने बताया कि वह सुबह सरकारी नाली साफ कर रही थी। इसी बात पर आरोपियों ने हमला कर दिया।

शिकायत पर ग्राम प्रधान से भी मदद नहीं मिली। प्रधान ने आरोपी बेहद सरहग है। वह नाली नहीं साफ करा पाएगे । लोदीपुर उतरावा गांव के ओमप्रकाश ने बताया कि तीन लोग रास्ते को अवरुद्ध कर रहे हैं। लकड़ी रखकर मार्ग बंद कर देते हैं। विरोध करने पर मारपीट की धमकी दी जाती है। इस

मौके पर प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह, इंस्पेक्टर क्राइम अनिल कुमार सिंह, लेखपाल उमाकांत तिवारी, आलोक कुमार, मनोज पासी सहित कई राजस्व कर्मी मौजूद रहे।

जगदीश मौर्या की दुर्घटना के बीस दिन बाद इलाज के दौरान निजी अस्पताल में मौत क्षेत्र में शोक की लहर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज/रायबरेली। बेटे के साथ गोभी की पौध लेने शिवगढ़ बाजार जा रहे प्रगतिशील किसान व समाजसेवी जगदीश मौर्या (72 वर्ष) की दुर्घटना के 20 दिन बाद इलाज के दौरान निजी अस्पताल में मौत हो गई। मौत की सूचना पर परिजनों सहित पूरे गांव में मातम पसर गया है। वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

ज्ञात हो कि बीते 5 अक्टूबर को क्षेत्र के टूक मजरे ओथी गांव निवासी जगदीश मौर्य अपने बेटे राजू मौर्य के साथ मोटरसाइकिल से शिवगढ़ बाजार जा रहे थे। रास्ते में ओसाह चौराहे के निकट सामने से आ रही दूसरी मोटरसाइकिल से उनकी आमने-सामने भिड़ंत हो गई। इस घटना में 72 वर्षीय जगदीश मौर्य और उनके बेटे राजू दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

स्थानीय सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में जगदीश मौर्य को जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां से उन्हें लखनऊ के लिए रेफर कर दिया गया था। पिछले 20 दिनों से उनका इलाज लखनऊ के एक निजी अस्पताल में चल रहा था, लेकिन शुक्रवार देर रात उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर सुनते ही क्षेत्र के लोगों में मायूसी छा गई। जगदीश मौर्य एक प्रगतिशील किसान होने के साथ-साथ सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय थे। उनके निधन की सूचना पर ग्राम प्रधान सुनील मौर्या, राजेश मौर्या, बबलू शुक्ला, धीरेन्द्र

मौर्या, मार्तण्ड शुक्ला,श्यामू मौर्या, रामू मौर्या, जितेश मौर्या, सोमनाथ मौर्या, हरकेश मौर्या, जूठन यादव, दीपू यादव, त्रिलोचन मौर्या, विमलेश मौर्या, राजाराम मौर्या, सर्वेश मौर्या, अरुणेश मौर्या, रामलोचन मौर्या, गजेंद्र यादव, मुकेश यादव, दिनेश यादव, पवन मौर्या, राजू सिंह, राम किशुन पाल, फूल चंद्र यादव सहित क्षेत्र के सैकड़ों लोगों ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

ऊधापुर में पूर्व प्रधान उमाशंकर द्विवेदी की प्रथम पुण्यतिथि पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि सभा

● ....श्रद्धा, सादगी और भक्ति भाव से हुआ आयोजन-जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों ने किया नमन।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फतेहपुर/बाराबंकी। तहसील क्षेत्र के ऊधापुर गांव में शुक्रवार को समाजसेवी एवं पूर्व प्रधान दिवंगत उमाशंकर द्विवेदी की प्रथम पुण्यतिथि श्रद्धा, सादगी और भावनाओं के साथ मनाई गई। इस अवसर पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, समाजसेवी तथा ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और दिवंगत नेता को श्रद्धासुमन अर्पित किए। श्रद्धांजलि सभा का आयोजन दिवंगत के सुपुत्र शशिकांत द्विवेदी की ओर से किया गया। उन्होंने बताया कि पुण्यतिथि के अवसर पर पंडित रमाकांत द्विवेदी द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हवन-पूजन एवं शांति पाठ संपन्न कराया गया। पूजा-अर्चना के दौरान पूरे वातावरण में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनसमूह ने दिवंगत उमाशंकर द्विवेदी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके समाजसेवी जीवन को भावपूर्ण शब्दों में याद किया। वक्ताओं ने कहा कि उमाशंकर द्विवेदी ने सदैव जनता के हितों के लिए कार्य करते हुए समाज में एकता, सौहार्द और सहयोग की मिसाल कायम की। वे एक सच्चे जननेता और ईमानदार समाजसेवी थे, जिनके व्यक्तित्व और कृतित्व से आज भी लोग प्रेरणा लेते हैं।

पूरे कार्यक्रम में श्रद्धा, अनुशासन और भावनाओं का ऐसा दृश्य देखने को मिला जिसने हर किसी को भावविभोर कर दिया। ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने एक स्वर में कहा कि उमाशंकर द्विवेदी की स्मृतियां और उनके आदर्श सदैव समाज को सच्चे मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते रहेंगे।

इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि दी और प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि राजकरन रावत, पूर्व कोऑपरेटिव चेयरमैन धीरेन्द्र वर्मा, सिद्धान्त पटेल, मनोज सिंह, एडीओ प्रेम प्रकाश अग्निहोत्री, एडीओ कोऑपरेटिव पंचम, आशीष प्रजापति सहित क्षेत्र की तमाम गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही।

"भाजपा खेल करने" के लिए कराती "खेलों" का आयोजन कांग्रेस सांसदः, राकेश राठौर ने भाजपा के खेल आयोजनों को बताया दिखावा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर में शहर के राजा कॉलेज मैदान में शनिवार को दो दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे कांग्रेस सांसद राकेश राठौर ने फीता काटकर और खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। इस मंडल स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता में सीतापुर, लखीमपुर, हरदोई, बहराइच, शाहजहांपुर और उन्नाव सहित कई जिलों की टीमें भाग ले रही हैं आयोजन समिति के अनुसार प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला 26 अक्टूबर को खेला जाएगा इसके बाद विजेता टीम को पुरस्कार और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया जाएगा पुरस्कार वितरण का कार्य कांग्रेस के पूर्व एमएलसी दीपक सिंह द्वारा किया जाएगा कार्यक्रम के शुभारंभ पर सांसद राकेश राठौर ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि "खेल युवा पीढ़ी के जीवन में अनुशासन, मेहनत और टीम भावना का

संचार करते हैं उन्होंने कहा कि "कांग्रेस पार्टी सदैव खिलाड़ियों के हित में कार्य करती रही है और खेलों को प्रोत्साहन देना उसका प्रमुख लक्ष्य है। सांसद राकेश राठौर ने भाजपा सरकार पर तंज कसते हुए कहा, "भाजपा खेलों के नाम पर केवल आयोजन करती है लेकिन खेल भावना उसके भीतर नहीं है।" उन्होंने आगे कहा कि हाल ही में जिले में संपन्न हुई सांसद खेल प्रतियोगिता में स्थानीय सांसद को ही आमंत्रित नहीं किया गया, जो लोकतंत्र और खेल भावना दोनों के विरुद्ध है उन्होंने कहा कि "भाजपा सरकार 'खेलो इंडिया' का आयोजन तो करती है लेकिन यह केवल दिखावे के लिए होता है अगर वास्तव में खेलों के प्रति उनकी सोच सकारात्मक होती, तो खिलाड़ियों की समस्याओं पर ध्यान दिया जाता।" सांसद ने कहा कि कांग्रेस पार्टी खिलाड़ियों के विकास के लिए ठोस कदम उठाएगी कार्यक्रम में बड़ी संख्या में खिलाड़ी, खेल प्रेमी, जनप्रतिनिधि और कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे पहले दिन के मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दर्शकों का मन मोह लिया!!

लखनऊ में बेटे ने की बुजुर्ग मां की हत्या, जमीन विवाद की आशंका

लखनऊः ठाकुरगंज के अहमद गंज मोहल्ले में शनिवार दोपहर बेटे ने 80 वर्षीय विमला सिंह की हत्या कर दी। उनका शव घर के आंगन में पड़ा मिला। पुलिस ने मां की हत्या के आरोपित अतेंद्र सिंह को हिरासत में लिया है। अहमद गंज में विमला सिंह अपने बेटे अतेंद्र सिंह के साथ रहती थी। शनिवार की दोपहर लगभग तीन बजे विमला अचेत अवस्था में अपने घर के आंगन में पड़ी थी। किरायेदार ने उन्हें देखा तो इसकी सूचना पड़ोसियों को दी। आनन फानन में पड़ोसियों ने उन्हें ट्रामा सेंटर पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पास ही अतेंद्र भी बैठा था। पुलिस ने अतेंद्र को हिरासत में लिया है। विमला की बेटी शीबू ने बताया कि अतेंद्र नशे का आदी था। वह अक्सर मां से मारपीट करता था। इसी वजह से अतेंद्र को चारों बहनों ने घर आना भी छोड़ दिया था। शुक्रवार को उन्हें पड़ोसियों से घटना की सूचना मिली थी। इसके बाद वह भी घटनास्थल पर पहुंची थी। फिलहाल पुलिस हत्या समेत अन्य बिंदुओं पर छानबीन कर रही है। फोरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल से साक्ष्य एकत्रित किए हैं। ठाकुरगंज इंस्पेक्टर ओमवीर सिंह ने बताया कि आरोपित से पूछताछ की जा रही है। पोस्टमार्टम के बाद ही मौत के कारण स्पष्ट हो सकेंगे। सूचना पर पहुंची मृतका की बेटियों ने भाई पर जमीन विवाद में हत्या के आरोप लगाए हैं। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।

अपना इलाज प्रशिक्षित डॉक्टर के द्वारा ही करायें:- मुख्य चिकित्सा अधिकारी सुशील कुमार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लहरपुर सीतापुर अपना इलाज प्रशिक्षित डॉक्टर के द्वारा ही कराये और परिवार के जो वृद्ध और बुजुर्ग लोग हैं उनको समय दें और उनका खास ख्याल रखें उक्त विचार मुख्य चिकित्सा अधिकारी सुशील कुमार जी ने जनरल इंश्योरेंस कारपोरेशन ऑफ़ इंडिया एवं श्री पीतांबरा शिक्षा समिति के संयुक्त तत्वाधान में केपी सिंह मेमोरियल हॉस्पिटल के सहयोग से एक दिवसीय सीनियर केयर प्रोग्राम के उद्घाटन समारोह में आए हुए लोगों को संबोधित करते हुए व्यक्त किया उन्होंने बताया सरकार की मंशा के अनुरूप 70 वर्ष की आयु पूरी कर चुके लोगों का आयुष्मान कार्ड घर-घर जा कर बनाए जाने का कार्य किया जा रहा है इसका आप सभी लोग लाभ उठाएं कार्यक्रम में आए हुए सभी अतिथियों का डॉ सुरेंद्र प्रताप सिंह मैनेजर मां कमला देवी श्री पितांबरा शिक्षा समिति के द्वारा स्वागत किया गया। कार्यक्रम को डिप्टी सीएमओ राजशेखर रावत तथा डॉक्टर अनूप सरवैय्या, डॉ सुधीर चौधरी, डॉक्टर अनुज कुमार वर्मा, डॉक्टर इलियास, डॉक्टर मधुलिका राय, डॉ सीमा, आर बी एस के इंचार्ज नरेंद्र कुमार सिंह डॉ डी एम आदि लोगों ने संबोधित किया। कार्यक्रम में नगर

पालिका परिषद अध्यक्ष हाजी जावेद अहमद के द्वारा बुके देकर वह स्मृति चिन्ह देकर मुख्य अतिथि का स्वागत किया गया कार्यक्रम का संचालन मोहम्मद हसीन अंसारी के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में 311 मरीजो का परीक्षण कर निशुल्क दवाई दी गई तथा 21 लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सभासद डॉक्टर आफताब अहमद, सोनू सभासद, लल्लन खान सभासद, मोहम्मद शोएब, सभासद रहमत अली सभासद, हक नवाज सभासद, आलम सभासद, इस्लामुद्दीन सलीम मिश्रा, अब्दुल हफीज मेंबर, अहमद अली, अब्दुल खालिक, मोहम्मद सलीम अंसारी, समेत सम्मानित नागरिक एवं लाभार्थी उपस्थित रहे।

सट्टा कारोबार पर पुलिस का शिकंजा रात में मारा छापा चार सटोरिए गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर में शहर में चल रहे सट्टा कारोबार पर कोतवाली नगर पुलिस ने शुक्रवार की देर रात बड़ी कार्रवाई की है सोशल मीडिया पर सट्टा लिखने का एक वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस सक्रिय हुई और ट्रांसपोर्ट चौराहे के पास चल रहे सट्टा अड्डे पर छापा मारकर चार सटोरियों को गिरफ्तार करने का दावा किया पुलिस ने मौके से 2490 की नगरी, दो पेन, एक डायरी और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण सहित मोबाइल फोन बरामद किए हैं सभी आरोपियों के खिलाफ जुआ अधिनियम की धारा 13 के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

जानकारी के मुताबिक सीओ सिटी विनायक भोसले की निगरानी में यह कार्रवाई की गई प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अनूप कुमार शुक्ला के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने ट्रांसपोर्ट चौराहे के पास एक दुकान पर छापा मारा जहां से सट्टा खिलवा रहे सूरज मिश्रा पुत्र राज कुमार, मुकुल गुप्ता पुत्र आनंद कुमार, सौरभ रस्तोगी पुत्र लालू राम रस्तोगी और मोनू रस्तोगी पुत्र विजय रस्तोगी सट्टा खेलते और खिलवाते पकड़े गए पुलिस ने बताया कि चारों आरोपी लंबे समय से शहर के विभिन्न इलाकों में सट्टा संचालन कर रहे थे इनके खिलाफ पूर्व में भी संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी मिली थी सट्टा कारोबार के माध्यम से ये लोग लोगों से अवैध रूप से धन एकत्रित कर मुनाफा कमाते थे। पुलिस ने मौके से बरामद नगदी और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है इस संबंध में थाना कोतवाली नगर में मु.अ.सं. 329/2025 धारा 13 जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है प्रभारी निरीक्षक अनूप शुक्ला ने बताया कि जुआ और सट्टा जैसे अपराधों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है उन्होंने आम जनता से अपील की है कि यदि कहीं सट्टा या जुए की गतिविधियां संचालित होती दिखाई दें तो तुरंत सूचना पुलिस को दे!!

दो पक्षों में जमकर हुई मारपीट युवक का टूटा पैर दीपावली की रात दीपक जलाने को लेकर हुआ विवाद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर में दीपावली के मौके पर दीप जलाने को लेकर शुरू हुई मामूली कहासुनी शुक्रवार देर रात दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प में बदल गई इस झगड़े में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसका पैर टूट गया है घायल को जिला अस्पताल सीतापुर में भर्ती कराया गया है जहां उसका इलाज जारी है घटना को लेकर गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है मामला दो समुदायों से जुड़ा हुआ है?। मामला तालगांव थाना क्षेत्र के ग्राम शेखवापुर अंगरासी का है जानकारी के अनुसार, ग्राम निवासी विवेक वर्मा उर्फ श्यामू (27) के घर दीपावली पर दीप जलाए जा रहे थे उसी दौरान मोहल्ले के कुछ बच्चे जल चुके दीपक उठा रहे थे जिस पर विवेक ने उन्हें रोक दिया आरोप है कि बच्चों ने घर जाकर बताया कि उनके साथ मारपीट और गाली-गलौज की गई है। इस बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हुई हालांकि ग्रामीणों के हस्तक्षेप से मामला शांत हो गया था।

लेकिन शुक्रवार देर रात पुरानी रंजिश के चलते मामला फिर उभर आया आरोप है कि अब्दुल मास्टर पुत्र मोहम्मद युनुस, उनके पुत्र अनस व आदिल, ताजुद्दीन व रियाजुद्दीन पुत्रगण छोटई, मोहम्मद रिजवान पुत्र युनुस, मोहम्मद समीर पुत्र मोहम्मद सरीफ, रिजवान पुत्र नवाब अली और मोहम्मद इस्लाम पुत्र बाबू अली सहित 10-15 लोग एक राय होकर विवेक के घर पहुंचे और लाठी-डंडों व हॉकी से हमला कर दिया आरोप है कि जब विवेक खेत की ओर जा रहा था।

तभी वहीं आरोपी दोबारा पहुंचे और उस पर हमला कर दिया। शोर मचाने पर ग्रामीण एकत्र हुए, तब तक सभी हमलावर धमकी देते हुए फरार हो गए घायल विवेक को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है पीड़ित के भाई शिवम वर्मा की तहरीर पर पुलिस ने नौ नामजद और दस अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है पुलिस का कहना है कि आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है और जल्द ही सभी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा!!

हत्यारोपितों को छोड़ने से नाराज पीड़ित पक्ष के प्रदर्शन करने पर पुलिस का लाठी चार्ज, महिलाओं सहित कई चोटिल

लखनऊः राजधानी के सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र में एक होटल में युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले में पीड़ित पक्ष ने पुलिस के हत्या के आरोपितों को थाना से छोड़ देने से नाराज होकर थाने पर प्रदर्शन किया। इस दौरान इनकी पुलिस के झड़प भी हो गई तो पुलिस ने पीड़ित पक्ष पर लाठीचार्ज कर दिया। पुलिस ने महिलाओं पर भी लाठी भांजने से साथ मुकदमा दर्ज किया है। मृतक के परिवार के लोगों का आरोप है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में दम घुटने से मौत होने की पुष्टि हुई और इस मामले में पुलिस ने मृतक के दोस्तों पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया था, लेकिन आरोपितों को जेल भेजने की बजाय पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। आरोपितों को छोड़ने से नाराज मृतक के परिवार के लोग और ग्रामीण सुशांत गोल्फ सिटी थाने के गेट पर पहुंचे और आरोपितों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग करने लगे। प्रदर्शन कर रहे परिवारीजन और महिलाओं पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया, जिसमें कई लोगों के सिर फट गए, और वे सभी घायल हो गए। पुलिस ने एक दर्जन लोगों को हिरासत में लिया है। वहीं, पुलिस ने प्रदर्शन करने आए परिजनों और ग्रामीणों पर तोड़फोड़ और पुलिस पर हमला करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज किया है।

जो जीरो होगा, वही बनेगा बिहार का सीएम मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह बोले- सपा और कांग्रेस सनातन विरोधि पार्टियां, सपा खत्म होने वाली हैं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर में सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर शनिवार को जिले के प्रभारी मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह सीतापुर पहुंचे उन्होंने सबसे पहले कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए इसके बाद मंत्री लोक निर्माण विभाग के गेस्ट हाउस पहुंचे, जहां उन्होंने मीडिया से बातचीत की मीडिया से वार्ता के दौरान प्रभारी मंत्री ने विपक्षी दलों समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर जमकर हमला बोला उन्होंने कहा कि सपा प्रवक्ता अनुराग भदौरिया द्वारा भाजपा संगठन में बदलाव को लेकर दिया गया बयान पूरी तरह निराधार है उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा, "यह तो वही बात हो गई, जैसे अंधे के हाथ बटेर लग गई हो 2027 के चुनाव में सपा और कांग्रेस दोनों के उजड़े चमन नजर आएंगे, जबकि भाजपा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में

फिर से प्रचंड बहुमत की सरकार बनाएगी समाजवादी पार्टी द्वारा बिहार चुनाव में आज़म खान को स्टार प्रचारक की सूची में शामिल किए जाने और रामगोपाल यादव व शिवपाल यादव को नजरअंदाज करने पर प्रभारी मंत्री ने कहा कि "यह सपा का आंतरिक मामला है शायद पार्टी अब उन्हें लायक नहीं समझती, जबकि इन्हीं दोनों नेताओं ने सपा को सींचकर बड़ा किया है। बरेली में मौलाना शहाबुद्दीन रिजवी द्वारा सपा प्रमुख अखिलेश यादव को 'सनातन विरोधी' बताए जाने के सवाल पर प्रभारी मंत्री ने कहा कि "सपा हो या कांग्रेस, दोनों ही दल सनातन विरोधी हैं इनके नेताओं ने हमेशा सनातन धर्म और संस्कृति का अपमान किया है,

लेकिन अब भारत के 125 करोड़ सनातनी एकजुट होकर खड़े हैं "चाहे बिहार का चुनाव हो, यूपी का या 2029 का लोकसभा चुनाव अब सनातनी ही देश की दिशा तय करेगा बिहार में इंडिया गठबंधन द्वारा तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री चेहरा घोषित किए जाने के प्रश्न पर मंत्री ने ऐतिहासिक संदर्भदेते हुए कहा, "जब सरदार वल्लभभाई पटेल 13 वोट पाकर प्रधानमंत्री नहीं बन पाए और शून्य वोट पाकर पंडित नेहरू प्रधानमंत्री बन गए, तो बिहार में भी जो जीरो होगा वही सीएम बनेगा !

संक्षिप्त खबरें

तुर्किये के तट के पास एजियन सागर में नाव डूबने से 14 प्रवासियों की मौत

क्षेत्रीय गवर्नर कार्यालय से जारी एक बयान में कहा गया है कि मुगला प्रांत में पर्यटकों के बीच लोकप्रिय तटीय शहर बोडरम से रवाना होने के कुछ ही देर बाद नाव में पानी भरने लगा।

तुर्किये के दक्षिण-पश्चिमी तट के पास एजियन सागर में 18 प्रवासियों को ले जा रही एक रबर की नाव शुक्रवार को डूब गई, जिससे कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। तुर्किये के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस दुर्घटना में दो लोग बच गए, जिनमें एक अफगान नागरिक भी शामिल है। दो अन्य लापता लोगों के लिए खोज और बचाव कार्य जारी है। क्षेत्रीय गवर्नर कार्यालय से जारी एक बयान में कहा गया है कि मुगला प्रांत में पर्यटकों के बीच लोकप्रिय तटीय शहर बोडरम से रवाना होने के कुछ ही देर बाद नाव में पानी भरने लगा। बयान के अनुसार, जीवित बचा एक व्यक्ति छह घंटे तैरकर किनारे तक पहुंचा, जबकि दूसरा पास के एक द्वीप पर पाया गया। लापता प्रवासियों का पता लगाने के लिए चार तटरक्षक नौकाएं, एक गोताखोर दल और एक हेलीकॉप्टर तैनात किया गया है।

हापुड़ में भीषण सड़क हादसा, डीसीएम से टक्कर के बाद धू-धू कर जला ट्रक; फायर ब्रिगेड ने मशक्कत के बाद पाया काबू

हापुड़। जनपद हापुड़ के थाना बाबूगढ़ क्षेत्र में स्थित एनएच-9 उपेड़ा फ्लाईओवर पर बीती 24 अक्टूबर 2025 की रात्रि को एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। बताया जा रहा है कि डीसीएम नंबर UP13CT 3950 जो आलू से लदा हुआ था, ने पीछे चल रहे ट्रक नंबर HR38AE2993 में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रक के पिछले हिस्से में आग लग गई और देखते ही देखते ट्रक आग की लपटों में घिर गया। सूचना मिलते ही थाना बाबूगढ़ पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंच गई। आग इतनी भीषण थी कि हाईवे पर कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित हो गया। फायर ब्रिगेड के जवानों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। चालक घायल, पुलिस बल तैनात हादसे में डीसीएम चालक मोमराज उर्फ पप्पू पुत्र हरिसिंह निवासी ग्राम मन्नीखेड़ा, थाना सैदनंगली, जिला सम्भल घायल हो गया, जिसे तत्काल HP-5 एंबुलेंस की सहायता से सीएचसी हापुड़ भेजा गया। बताया जा रहा है कि डीसीएम में आलू लदा था जबकि ट्रक में सीमेंट भरा हुआ था। आग लगने से ट्रक का पिछला हिस्सा पूरी तरह जलकर खाक हो गया। हादसे की जानकारी मिलते ही राहगीरों की भारी भीड़ मौके पर जुट गई, लेकिन पुलिस ने स्थिति को तुरंत नियंत्रित कर लिया। पुलिस प्रशासन के अनुसार लॉ एंड ऑर्डर की कोई समस्या नहीं है, मौके पर पुलिस बल तैनात किया गया है और हाईवे पर यातायात अब सामान्य हो गया है। इस हादसे ने एक बार फिर तेज रफ्तार और भारी वाहनों की लापरवाही पर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल पुलिस ने दोनों वाहनों को किनारे करा कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

दिल्ली में बिना रजिस्ट्रेशन चल रहीं कंस्ट्रक्शन साइट्स पर कार्रवाई का आदेश, प्रदूषण नियंत्रण को लेकर फैसला

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने राजधानी की वायु गुणवत्ता सुधार के लिए सख्त कदम उठाने की बात कही है। इसी क्रम में पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के कार्यालय का दौरा कर वरिष्ठ अधिकारियों, फील्ड अफसरों और इंजीनियर्स के साथ समीक्षा बैठक की, जिसमें निर्माण गतिविधियों से उत्पन्न धूल प्रदूषण की निगरानी और कार्रवाई की प्रगति पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि 33 फील्ड टीमों द्वारा अब तक 185 निर्माण स्थलों का निरीक्षण किया जा चुका है और 30 अक्टूबर तक 500 से अधिक साइटों की जांच का लक्ष्य निर्धारित है। जिन स्थलों ने अभी तक पोर्टल पर पंजीकरण नहीं कराया है, उन्हें नोटिस जारी कर तत्काल काम रोकने और पंजीकरण कराने के निर्देश दिए गए हैं। डीपीसीसी द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार जिन परियोजनाओं ने पंजीकरण नहीं कराया है, उन पर एक लाख से 5 लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। बैठक में तय हुआ कि जो भी निर्माण इकाइयां डीपीसीसी पोर्टल पर पंजीकृत नहीं हैं, उनके विरुद्ध कार्य रोकने तथा पर्यावरण मुआवजा के तहत सख्त कार्रवाई की जाए। यदि किसी साइट पर ग्रैप चरण के दौरान उल्लंघन पाया गया तो यह दंड दोगुना होगा।

BCCI ने इंदौर में 2 ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों से छेड़छाड़ पर जताया दुख, सचिव ने कहा- देश को धूमिल करने वाली घटना

- होटल से निकलकर कैफे जाते समय बाइक सवार ने गलत इरादे से छुआ
- आरोपित अकील गिरफ्तार
- घटना पर बीसीसीआई ने भी दी कड़ी प्रतिक्रिया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

इंदौर। आईसीसी महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने इंदौर पहुंचीं दो ऑस्ट्रेलियाई महिला खिलाड़ियों से शहर में खजराना रोड पर सरेराह छेड़छाड़ की गई। बाइक सवार एक युवक ने गुरुवार सुबह करीब 11 बजे उस समय इस दुस्साहसिक घटना को अंजाम दिया, जब वे दोनों होटल रेडिसन ब्लू से निकलकर पैदल एक कैफे की तरफ जा रही थीं।

आरोपित ने उनको गलत इरादे से छुआ। शिकायत पर एफआईआर दर्ज करके पुलिस ने आरोपित युवक अकील उर्फ नाइट्रा को गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना को लेकर देश और ऑस्ट्रेलिया तक हड़कंप मच गया। बीसीसीआई ने भी इस घटना पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। साथ ही इंदौर पुलिस की सराहना भी की है।

देश की छवि धूमिल करने वाली घटना

बीसीसीआई इस घटना पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी कड़ी प्रतिक्रिया दी है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण और देश की छवि धूमिल करने वाली घटना बताया। इसके साथ ही तत्परता दिखाते हुए आरोपित को गिरफ्तार करने के लिए इंदौर पुलिस की सराहना भी की है। सैकिया ने कहा है कि कानून अपना काम करेगा और दोषी को दंड मिलेगा।

इंदौर के एडीसीपी (क्राइम) राजेश दंडोतिया के अनुसार, आरोपित अकील को छह घंटे चले इंटेंसिव स्ट्रैटेजिक ऑपरेशन के तहत गिरफ्तार कर लिया गया। वह कुख्यात बदमाश है। उसके खिलाफ पांच आपराधिक मुकदमे दर्ज है। गिरफ्तारी के दौरान उसका एक हाथ और एक पैर टूट गया है।

इन धाराओं में एफआईआर

इस मामले में इंदौर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 74 के तहत महिला की लज्जा भंग करने के इरादे से हमला या आपराधिक बल का प्रयोग करने और धारा 78 यानी किसी महिला का लगातार पीछा करने या स्टाकिंग के तहत एफआईआर दर्ज की है।

पुलिस की चूक से हुई घटना

घटना ने इंदौर में पुलिस और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह घटना अधिकारियों की लापरवाही, प्रोटोकाल और सुरक्षा में हुई चूक के कारण घटित हुई है। खिलाड़ियों के आने-जाने वाले रास्ते पर न पेट्रोलिंग बढ़ाई गई और न थानों से अतिरिक्त बल तैनात किया गया।

नेपाल में जीप के खाई में गिरने से आठ लोगों की मौत, 10 घायल

पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि घटना अधिक गति से गाड़ी चलाने के कारण हुई

नेपाल के कर्णाली प्रांत में 18 यात्रियों को लेकर जा रही एक जीप करीब 700 फीट गहरी खाई में गिर गया जिससे उसमें सवार आठ लोगों की मौत हो गई जबकि 10 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। यह दुर्घटना शुक्रवार रात को रुकुम पश्चिम जिले के बाफिकोट स्थित झरमारे इलाके में हुई। यह वाहन मुसिकोट के खलंगा से आठबिसकोट नगरपालिका के स्यालिखाड़ी क्षेत्र की ओर जा रहा था। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि घटना अधिक गति से गाड़ी चलाने के कारण हुई है। पुलिस के अनुसार सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक घायल ने उपचार के दौरान स्थानीय अस्पताल में दम तोड़ दिया। पीड़ितों की उम्र 15 से 30 साल के बीच थी। इस दुर्घटना में घायल हुए 10 अन्य लोगों का उपचार रुकुम जिला अस्पताल में जारी है।

फिर एक बार एक बुजुर्ग का सहारा बने प्रतिष्ठित समाज सेवक एस के चौबे

- जाको राखे साइयां मार सके ना कोय, बाल ना बाका हो सके चाहे जग बैरी होय।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली पटेल नगर में यह कहावत तब सच हुआ जब एक 87 वर्षीय बुजुर्ग महिला की बेटी ने उसे अपने घर से दूर लाकर उस बुजुर्ग मां को उसके हाल पर पटेल नगर में छोड़ कर चली गई जिसकी सूचना मिलने पर पटेल नगर का चर्चित सामाजिक चेहरा जिनको सब लोग एस के चौबे के नाम से जानते है वे उस बुजुर्ग महिला को थाना आनंद पर्वत के थानाध्यक्ष की मदद से एक वृद्धाश्रम में स्थान दिलवाए जिसकी प्रशंसा क्षेत्र में खूब सुनने को मिली। वृद्ध महिला अपने हृदय की पीड़ा को एस के चौबे से जब बता रही थी तब उसके आंखों से आंसू गिरने लगा जिसको एस के चौबे ने अपने हाथों से पोछा और माता जी को सांत्वना बाधाए।

एस के चौबे समाज के लिए एक ऐसा नाम बन गया है जो पटेल नगर में समाज के किसी भी वर्ग के लिए उसके मुसीबत या खुशी में सबसे पहले याद आने वाला नाम बन गया है। चौबे की पृष्ठभूमि मध्यम वर्ग से है वे मूलतः उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले के एक छोटे से गांव से रोजी रोटी के लिए दिल्ली आए और नौकरी किए साथ में लगभग 20 वर्षो से समाज के प्रति उनका समर्पण रहा जिसका परिणाम आज यह है कि जब तक कोई राजनीतिक दल अपने मीटिंगों बैठकों में चौबे का नाम न ले ले तब तक उनकी मीटिंग ही पूरी नहीं होती, और एस के चौबे बिना किसी जाति धर्म क्षेत्र या राजनीतिक दल को देखे किसी भी व्यक्ति के मदद के लिए अपनी टीम के साथ खड़े हो जाते है। आज पटेल नगरी सभी राजनीतिक दलों के लिए चुनौती बन चुके चौबे के संगठन में दो हजार से ज्यादा सदस्य है जो किसी भी राजनीतिक दल पर भारी है। बुजुर्ग माता जी को उचित स्थान पर उनको व्यवस्था करवा कर उन्होंने एक और कीर्ति स्थापित की है।

लोकायुक्त के छापा कार्यवाही का असर सहकारिता विभाग में बेअसर

- जिले के सक्षम अधिकारी दोषीजन को दे रहे बढ़ावा, छापा मार होता रहता है

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता
बुढ़ार-दिनेश चौधरी

शहडोल से सहकारिता विभाग की आजीवों गरीब कहानी सुनने को व देखने को आए दिन मिल रही, जिस पर किसी की लगाम नही सायद प्रदेष के मुख्यमंत्री तक षिकायत होने पर भी कार्यवाही न दिखने से यह लगता है कि जितना लूट सको लूट लो, गरीब किसान परेषान होकर तंग होकर सहकारिता से नाता मोड़ रहा वहीं भ्रष्ट कर्मचारी अरबो रू. के मालिक बन बैठे जिसकी षिकायत संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ जिले के मुखिया कलेक्टर कमिष्नर के पास की गई षिकायत का असर शून्य नजर आता है।

वर्ष 2019 में चुहरी लैम्पस समिति प्रबंधक दिनकर प्रसाद तिवारी को रीवा लोकायुक्त पुलिस ने की गई षिकायत पर प्रमाणित षिकायत को लेकर छापामार कर 3000रू. नगद जप्ती के साथ रंगे हाथ पकड़े जाने की कार्यवाही को लेकर आज दिनांक तक जहां लोकायुक्त ने चार्ज सीट दायर कर जानबूझकर न्यायालय में प्रकरण नही भेजा जा रहा वहीं ऐसे भ्रष्ट कर्मचारी के ऊपर सहकारिता विभाग के पंजीयक, उप पंजीयक, जी.एम. प्रषासक के साथ जिला कलेक्टर व संभागीय कमिष्नर तक निरंतर सम्पूर्ण जानकारी के साथ षिकायत की जा रही, जिस पर हीला हवाली देखकर जनता दल यू किसान सभा के प्रदेष अध्यक्ष पूर्व भाजस अध्यक्ष विधायक दल नेता निजी सचिव बी.पी.तिवारी लिखित षिकायत में उल्लेख किया है कि वर्ष 2019-20, 2020-21, 2021-22 में लगातार समिति प्रबंधक दिनकर प्रसाद तिवारी चुहरी भ्रष्टाचार में संलिप्तता देखी गई जो आडिट रिपोर्ट में हर वर्ष 20 लाख रू. से ऊपर गबन विभाग को देखने को मिला पर विभाग ने कार्यवाही न कर आंख मूंद ली, इससे प्रतीत होता है कि दिनकर प्रसाद तिवारी का उपहार संबंधित अधिकारियों तक इतना बजनी रहता है कि कार्यवाही करने में कुर्सी छोड़कर भागते नजर आ रहे।

तिवारी ने यह भी कहा कि प्रदेष में यह पहला मामला है कि लोकायुक्त की कार्यवाही के बाद सहकारिता विभाग द्वारा दोषी कर्मचारी से वित्तीय अधिकार नही छीना गया, न ही उसका प्रभार किसी अन्य को दिया गया, जबकि पिछले सत्र में धान खरीदी की गड़बड़ी पर दोषी पाए जाने पर जिला प्रषासन खान पूर्ति कर संस्पेंड कुछ दिनो के लिए किया गया था। पुनः बहाल होते ही भ्रष्टाचार में कोई कमी नही, दोषी व्यक्ति खुलेआम कहता है कि लोकायुक्त के छापामार कार्यवाही का असर शहडोल जिले में नही है, फिर मेरे भ्रष्टाचार के साथ अधिकारीगण भी साथ हैं, मुझे किसी का डर नही, इस पर दिनांक 14.10.2025 को कमिष्नर महोदया को जनसुनवाई एवं कई सक्षम अधिकारियों को लिखित षिकायत कर कार्यवाही के लिए पत्र लिखा गया, कार्यवाही की चाल चींटी की तरह है, शीघ्र प्रदेष के मुख्यमंत्री व पालक मंत्री के साथ लोकायुक्त एवं आयकर कमिष्नर से मिलकर आर पार की लड़ाई को लेकर सहकारिता विभाग में दोषीजनों के ऊपर कार्यवाही की मांग होगी।

श्रीभूमि जिले के भंगा से बदरपुर तक बराक नदी में बैरल बनाने के लिए ड्रेजिंग का काम शुरू, 44 करोड़ आवंटित

- लोगों में उम्मीद जगी है कि रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

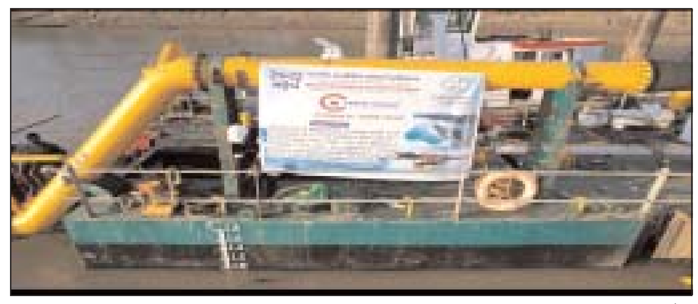

श्रीभूमि: असम के बराक घाटी की संचार व्यवस्था में एक नया क्षितिज उभरने वाला है। भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (IWAI) ने श्रीभूमि जिले के भंगा से बदरपुरघाट तक बराक नदी के खंड में ड्रेजिंग का काम फिर से शुरू कर दिया है। नदी पर नौवहन को सामान्य और व्यावसायिक परिवहन को सुविधाजनक बनाने के लिए यह पहल की गई है। इस परियोजना के लिए कुल 44 करोड़ आवंटित किए गए हैं। यह कार्य KMEW ग्रुप कंपनी द्वारा किया जा रहा है। कंपनी ने जिले के भंगा से बदरपुर तक नदी के लगभग 10.5 किलोमीटर हिस्से में ड्रेजिंग गतिविधियाँ शुरू कर दी हैं।

गत 24 अक्टूबर शुक्रवार को बदरपुरघाट शिपयार्ड में एक समारोह में इस परियोजना का औपचारिक उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर IWAI के शीर्ष अधिकारी, जिला प्रशासन के प्रतिनिधि, स्थानीय जनप्रतिनिधि और KMEW कंपनी के इंजीनियर उपस्थित थे। परियोजना प्रबंधक ने बताया कि नदी में 32 मीटर चौड़ा और 2 मीटर गहरा बैरल बनाया जाएगा, ताकि बड़े मालवाहक जहाज आसानी से आवागमन कर सकें। ड्रेजिंग कार्य के लिए दो आधुनिक ड्रेजिंग मशीनों का उपयोग किया जा रहा है, जो दिन-रात काम करेंगी। यह परियोजना तीन वर्षों के भीतर पूरी होने वाली है।

कार्य पूरा होने के बाद, इस मार्ग पर नियमित मालवाहक और यात्री जहाजों का आवागमन शुरू हो जाएगा, जिससे पूर्वोत्तर भारत के व्यापार और औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है। आईडब्ल्यूएआई के सूत्रों के अनुसार, इस परियोजना के माध्यम से बराक नदी को एक प्रभावी राष्ट्रीय जलमार्ग (राष्ट्रीय जलमार्ग-16) के रूप में पुनर्विकास करने की योजना बनाई गई है। इसके परिणामस्वरूप, असम, मणिपुर और मिज़ोरम राज्यों से भारत के अन्य भागों में औद्योगिक उत्पादों का परिवहन सस्ते और शीघ्रता से संभव हो सकेगा। स्थानीय लोगों और व्यापारिक समुदाय ने इस पहल का स्वागत किया है। उन्होंने आशा व्यक्त की है कि यदि यह परियोजना क्रियान्वित होती है, तो जिले के बदरपुर-भंगा क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियाँ बढ़ेंगी और अनेक लोगों के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

महिला विश्व कप- भारत ने न्यूजीलैंड को हराकर सेमीफाइनल में, स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल की जोड़ी ने किया धमाका

- भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड को 53 रनों से हराकर महिला विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बनाई।

शुरुआती तीन हार के बाद यह "बड़ी राहत" भरी जीत टीम के लिए एक महत्वपूर्ण टर्नअराउंड साबित हुई।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भारत की महिला क्रिकेट टीम ने बारिश से प्रभावित मैच में न्यूजीलैंड को 53 रनों से हराकर महिला विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। बता दें कि यह भारत का टर्नअराउंड रहा हैं, क्योंकि टीम टूर्नामेंट की शुरुआत में लगातार तीन हार का सामना कर चुकी थी और टूर्नामेंट की शुरुआत में ही टीम को पसंदीदा टीमों में रखा गया था। मौजूद जानकारी के अनुसार, भारत की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करना "बड़ी राहत" देने वाला बताया। उन्होंने कहा कि पिछले तीन मैच काफी चुनौतीपूर्ण थे, और टीम ने अच्छी क्रिकेट खेली लेकिन जीत नहीं पाई। इस मैच में मंधाना ने 109 रन की धमाकेदार पारी खेली, जो इस वर्ष उनका पांचवां शतक था। वहीं, उनके ओपनिंग पार्टनर प्रतिका रावल ने विश्व कप में अपना पहला शतक जमाया और 122 रन बनाए।

गौरतलब है कि मंधाना और रावल ने पहले विकेट के लिए 212 रन की रिकॉर्ड साझेदारी की, जिससे भारत ने 49 ओवर में 340/3 का स्कोर बनाया, जो महिला विश्व कप में अब तक का उनका सर्वोच्च स्कोर हैं। बारिश के कारण लक्ष्य को 44 ओवर में 325 रन कर दिया गया, और भारत ने 271/8 रन बनाकर मैच जीत हासिल किया। मंधाना को प्लेयर ऑफ़ द मैच चुना गया, हालांकि उन्होंने कहा कि

प्रतिका इस पुरस्कार की पूरी तरह हकदार थीं।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भी पूरे टीम की जमकर तारीफ की और कहा कि जीत की जिम्मेदारी स्मृति और प्रतिका ने बखूबी निभाई। उन्होंने कहा कि घर में खेलते हुए हमेशा अधिक उम्मीदें होती हैं, लेकिन इस मैच में टीम ने प्रेशर को खुशी में बदलकर शानदार प्रदर्शन किया। वहीं, न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन ने टूर्नामेंट को निराशाजनक बताया और कहा कि उनके लिए यह कठिन समय रहा, क्योंकि टीम को लक्ष्य तक पहुंचने का पर्याप्त अवसर नहीं मिला।

IND vs AUS: एक मैच और इतने रिकॉर्ड, रो-को ने ऑस्ट्रेलिया की सरजमीं पर लगा दी कीर्तिमानों की झड़ी

- आखिरी वनडे मैच में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से हराया

रोहित शर्मा और विराट कोहली ने बनाए के कई रिकॉर्ड

ऑस्ट्रेलिया ने 2-1 से जीती वनडे सीरीज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। भारत ने सिडनी में खेले गए आखिरी वनडे मैच में ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से हराकर सम्मान की लड़ाई जीती। भारत की इस जीत में रोहित शर्मा और विराट कोहली ने अहम योगदान दिया। दोनों मिलकर नाबाद 168 रन की साझेदारी की।

रोहित शर्मा ने नाबाद 121 रन की पारी खेली। इस दौरान 125 गेंद का सामना किया और 13 चौके और तीन छक्के उड़ाए। वहीं, विराट कोहली ने 81 गेंद पर नाबाद 74 रन की पारी खेली। इस दौरान सात चौके जड़े। विजयी चौका भी विराट कोहली के बल्ले से निकला। इस जीत के साथ ही विराट और रोहित ने कई रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए।

रोहित शर्मा ने सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की वनडे जीत में रन बनाए

2008 में 66*(87), 2016 में 99 (108), 2025 में 121*(125)

वनडे में सबसे ज्यादा 150+ साझेदारियां

12 तेंदुलकर और गांगुली, 12 रोहित और कोहली, 7 दिलशान और संगकारा, वनडे और टी20 में सबसे ज्यादा रन (वनडे और टी20). 18437 विराट कोहली*, 18436 सचिन तेंदुलकर, 15616 कुमार संगकारा, 15589 रोहित शर्मा*, 14143 महेला जयवर्धने, 14105 रिकी पोंटिंग

ऑस्ट्रेलिया में किसी मेहमान बल्लेबाज द्वारा सबसे ज्यादा वनडे शतक

6 रोहित शर्मा (33 पारी), 5 विराट कोहली (32), 5 कुमार संगकारा (49)

रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया में खेली गई

हर द्विपक्षीय वनडे सीरीज में शतक लगाया है।

2016 - पर्थ में 171*, ब्रिस्बेन में 124

2019 - सिडनी में 133

2025 - सिडनी में 100* (अब तक)

रोहित का ऐतिहासिक शतक

बता दें कि रोहित शर्मा ने अपने वनडे करियर की 33वीं और कुल 50वां शतक जड़ा। इसके अलावा रोहित शर्मा, सचिन तेंदुलकर के बाद ऑस्ट्रेलिया में 2500 वनडे रन बनाने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज बने। रोहित शर्मा वनडे सबसे ज्यादा सिक्स लगाने के मामले में दूसरे स्थान पर हैं। उनके नाम 349 सिक्स दर्ज हैं। वह शाहिद अफरीदी का रिकॉर्ड तोड़ने से मजह तीन सिक्स दूर हैं।

द गर्लफ्रेंड ट्रेलर- टॉक्सिक रिलेशन और प्यार के बीच फंसी रश्मिका मंदाना, ट्रेलर बढ़ा देगा एक्साइटमेंट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। रश्मिका मंदाना की 'द गर्लफ्रेंड' का ऑफिशियल ट्रेलर रिलीज हो चुका है। ट्रेलर में रश्मिका अब तक अपनी के सबसे सीरीयस भूमिका की एक सहज, इमोशनल झलक दी। राहुल रवींद्रन द्वारा निर्देशित यह अपकमिंग तेलुगु फिल्म भूमा की उछल-पुथल भरी यात्रा को दर्शाती है, जो अपने क्लासमैट के साथ एक टॉक्सिक रिलेशनशिप में फंस जाती है।

प्यार के लिए लड़ती दिखीं रश्मिका

ट्रेलर में प्यार के टॉक्सिक रूप में बदलते जाने की एक भयावह तस्वीर दिखाई गई है, जहां भूमा (रश्मिका का कैरेक्टर) चिंता, कंट्रोल और इमोशनल उथल-पुथल से जूझती है। क्योंकि उसका बॉयफ्रेंड एक दूसरी लड़की से अट्रैक्ट होता है। भूमा के नजरिए से कही गई यह कहानी एक बेचैन करने वाली झलक पेश करती है कि जब प्यार जुनून में बदल जाता है तो क्या होता है।

कब रिलीज होगी फिल्म

धीरज मोगिलिनेनी और विद्या कोपिनेडी द्वारा धीरज मोगिलिनेनी एंटरटेनमेंट और गीता आर्ट्स के तहत निर्मित, इस फिल्म के प्रेजेंटर अल्लू अरविंद हैं। संगीत 'हाय नन्ना' गाने वाले हेशाम अब्दुल वहाब ने दिया है और सिंगर प्रशांत आर. विहारी ने दिया है।

'द गर्लफ्रेंड' 7 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में आएगी। इस वक्त रश्मिका मैडोक फिल्म्स की थामा में नजर आ रही हैं जिसमें उनके साथ आयुष्मान खुराना हैं। हॉरर कॉमेडी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है।

Satish Shah ने करवाया था किडनी ट्रांसप्लांट, सचिन पिलगांवकर ने किया खुलासा

नई दिल्ली। सतीश शाह ने आज दोपहर 74 साल की उम्र में अंतिम सांस ली। घर पर उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें हिंदुजा अस्पताल ले जाया गया, जहां किडनी संबंधी बीमारियों के कारण उनका निधन हो गया। चार दशक से ज्यादा के करियर में, इस दिग्गज अभिनेता ने जाने भी दो यारो, कभी हां कभी ना, मैं हूं ना, कल हो ना हो और ओम शांति ओम जैसी मशहूर फिल्मों में काम किया। उनका करियर सिर्फ हिंदी फिल्मों तक ही सीमित नहीं था। उन्होंने कई नाटकों में काम किया और देख भाई देख और साराभाई वर्सेस साराभाई जैसे टेलीविजन सीरियल में भी काम किया। उन्होंने मराठी फिल्में भी कीं। अपनी पहली मराठी फिल्म के सेट पर ही उनकी मुलाकात सचिन पिलगांवकर से हुई। पिलगांवकर ने गम्मत जमात नाम की फिल्म का निर्देशन किया था और यहीं से उनकी गहरी दोस्ती की शुरुआत हुई। उन्होंने पिछले कुछ महीनों में शाह के जीवन से जुड़ी कुछ बातें बताई।

सचिन पिलगांवकर ने किया खुलासा

सचिन ने बताया, %गम्मत जमात उनकी पहली मराठी फिल्म थी। हमें साथ आने के लिए एक वजह चाहिए थी और 1987 की यह फिल्म बस यही थी। उसके बाद हमने कभी साथ काम नहीं किया। लेकिन उस फिल्म के सेट पर हम अच्छे दोस्त बन गए। सतीश, उनकी पत्नी मधु, सुप्रिया और मैं बहुत करीब आ गए और जल्द ही, मैं-सुप्रिया, सतीश-मधु, अशोक सराफ-उनकी पत्नी और लक्ष्मीकांत बेर्डे-उनकी पत्नी एक ग्रुप बन गए। ये चारों जोड़े महीने में कम से कम दो या तीन बार मिलने आते थे। हैरानी की बात यह है कि गम्मत जमात के बाद सतीश और मैंने कभी साथ काम नहीं किया, लेकिन इसने हमें करीबी दोस्त बनने से नहीं रोका।

आखिरी बार मैसेज पर की बात

सतीश और मैं लगातार मैसेज का पर बात करते रहते थे। दरअसल, आज दोपहर 12:56 बजे मुझे उनका एक मैसेज मिला, जिसका मतलब है कि उस समय भी वह बिल्कुल ठीक थे। यह कहना कि मैं सदमे में हूं, कम है। इंडस्ट्री का नुकसान तो हुआ ही और वह बात अलग है, लेकिन यह मेरे लिए बहुत बड़ी व्यक्तिगत क्षति है। आप कुछ भी भविष्यवाणी नहीं कर सकते। मकसद खुश रहना और अपने आस-पास के लोगों को खुश रखना है, जो उन्होंने किया।